mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-256 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना 16 सितम्बर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

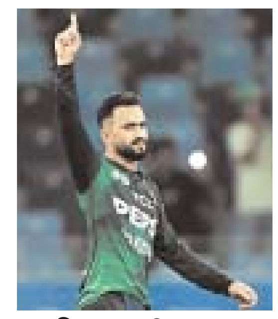

पाकिस्तानी कोच...

@ पेज 7

मुंबई में भारी बारिश का अलर्ट,हवा की रफ्तार 40किमी. होगी

यूपी के उन्नाव में 80 गांवों में बाढ़; राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू

दिल्ली, शिमला, चंडीगढ़, एजेंसी। मौसम विभाग ने अगले तीन घंटों के लिए मुंबई में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज बारिश के साथ 40द्मद्वश्चद्ध की रफ्तार से हवा चल सकती है। विभाग ने अगले 3 दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों और महाराष्ट्र में भारी बारिश की संभावना जताई। उन्नाव में गंगा किनारे 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। सड़कों पर नाव चल रही हैं। मणिपुर में भारी बारिश से रविवार को कई जिलों में बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। तेलंगाना, उत्तराखंड में तेज बारिश हुई।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के चलते जून से अबतक 404 लोगों की मौत हो चुकी है। पंजाब में बारिश और बाढ़ से अब तक 14000 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को तय समय से 3 दिन पहले पश्चिमी राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। राजस्थान के श्रीगंगानगर, नागौर, जोधपुर और बीकानेर से मानसून विदा ले चुका है।अगले दो-तीन दिन में पंजाब और गुजरात के कुछ हिस्सों से भी मानसून लौटना शुरू हो जाएगा। जबकि मध्य प्रदेश में मानसून दो हफ्ते और रहेगा।

देश के अधिकांश हिस्सों से 15 अक्टूबर तक मानसून पूरी तरह लौट जाएगा। जबकि दक्षिण कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में बारिश जारी रह सकती है।

पीएम मोदी ने कोलकाता में कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया

समेलन में देश की सुरक्षा पर चर्चा; पीएम का एक महीने में दूसरा बंगाल दौरा

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वीं कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) का उद्घाटन किया। कॉन्फ्रेंस सेना की पूर्वी कमान के हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम कोलकाता में 15 से 17 सितंबर तक होगा। इस साल की थीम- ईयर ऑफ रिफॉर्म्स - भविष्य के लिए ट्रांसफॉर्मेशन है।

इस साल कॉन्फ्रेंस का 16वां संस्करण है। यह सेना का सबसे बड़ा विचार-विमर्श का मंच है। इसमें सेना के अधिकारी और सरकार के मंत्री देश की सुरक्षा और रणनीति पर चर्चा करते हैं। तीनों सेनाओं के प्रमुख इसमें शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, NSA अजित डोभाल, CDS जनरल अनिल चौहान और मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। पीएम मोदी रविवार शाम कोलकाता पहुंचे थे। पिछले एक महीने में यह उनका दूसरा बंगाल दौरा है।

संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के बारे में जानिए : संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (CCC) भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना का सबसे बड़ा रणनीतिक मंच है। इसमें देश की तीनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारी और केंद्र सरकार के बड़े मंत्री मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा नीतियों और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करते हैं। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सेना और सरकार के मंत्रियों को एक साथ लाकर रक्षा से जुड़ी चुनौतियों, आधुनिकीकरण, नई तकनीक और भविष्य की युद्ध-तैयारी पर विचार करना होता है। यह कॉन्फ्रेंस देश की सुरक्षा नीति बनाने में अहम भूमिका निभाती है।

मिजोरम : बीएसएफ- एक्साइज विभाग ने 7.59 करोड़ की ड्रग्स बरामद, तीन गिरफ्तार

आइजोल, एजेंसी। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए बीएसएफ की इंटेलिजेंस टीम और मिजोरम के एक्साइज एवं नारकोटिक्स विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर 7.59 करोड़ रुपए मूल्य की मेथामफेटामाइन (याबा टैबलेट्स) बरामद कीं। बीएसएफ ने तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। कोलकाता में विशेष महानिरीक्षक (पूर्वी कमान) मुख्यालय, सीमा सुरक्षा बल के जन संपर्क अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ सेक्टर आइजॉल की ओर से मिली सूचना के आधार पर शनिवार शाम को खाटला क्षेत्र में अभियान चलाया गया।

पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से संबंधित मामले में फैसला 26 सितंबर को; सुप्रीम कोर्ट पारित करेगा आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से संबंधित स्वत: संज्ञान मामले में 26 सितंबर को आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह मुद्दा निगरानी का है। इससे पहले 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया था, जिसमें कहा गया था कि पिछले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुईं। कोर्ट ने नोट किया था कि रिपोर्ट के अनुसार इनमें से सात घटनाएं उदयपुर संभाग में ही हुईं।

2018 में पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। दिसंबर 2020 में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था।

पूरे वफ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे:

सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ बोर्ड संबंधी कानून पर पूरी तरह रोक लगाने के संबंध में सुनवाई की. इसके बाद शीर्ष अदालत ने इस कानून पर पूरी तरह स्टे लगाने से बेशक मना कर दिया लेकिन ऐसे प्रावधान जरूर किए हैं, जिनके मायने खासे अहम हैं. सर्वोच्च न्यायालय नें वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर नए निर्देश जारी किए हैं, जिसमें कई विवादास्पद प्रावधानों पर आंशिक रोक लगाते हुए कानून के अधिकांश हिस्सों को फिलहाल बरकरार रखा गया है. जानते हैं कि कोर्ट के फैसले के पांच मतलब क्या हैं ।

इन फैसलों से वक्फ संपत्ति और बोर्ड की संरचना पर पारदर्शिता, न्यायिक निगरानी और धार्मिक संतुलन को प्राथमिकता देने का प्रयास किया गया है. फैसले से लगता है कि वक्फ में कानून के जरिए जिन बातों पर सबसे ज्यादा नाराजगी और एतराज जाहिर किया जा रहा था, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर स्पष्ट व्यवस्था देने की कोशिश की है।

संपूर्ण वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर रोक लगाने के याचिकाकर्ताओं के अनुरोध को न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया, जिसमें कहा गया कि संसद द्वारा पारित कानूनों को संवैधानिक माना जाता है और केवल असाधारण मामलों में ही किसी क़ानून को पूर्ण रूप से निलंबित करने का औचित्य सिद्ध होता है

1. 5 साल तक इस्लाम का अनुयायी होने पर रोक :न्यायालय ने उस प्रावधान पर रोक लगा दी है जिसके तहत वक्फ बनाने से पहले किसी व्यक्ति को पांच साल तक इस्लाम का पालन करना जरूरी था. यह तब तक स्थगित रहेगा जब तक इस स्थिति को निर्धारित करने के लिए नियम नहीं बन जाते, क्योंकि परिभाषित प्रक्रियाओं के अभाव में मनमानी शक्ति का प्रयोग हो सकता है।

2. कलेक्टर का फैसला अंतिम नहीं :इस बात को लेकर सबसे ज्यादा इतराज मौजूदा वक्फ बोर्डों और मुस्लिमों द्वारा जाहिर किया जा रहा था. जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है. कलक्टर के पास वक्फ संपत्ति और सरकारी जमीन के विवादों को अंतिम रूप से तय करने की शक्ति नहीं होगी, जब तक ट्रिब्यूनल का निर्णय नहीं आता, तब तक किसी तीसरे पक्ष का अधिकार नहीं बन सकता. यानि इसे लेकर कलेक्टर को जो अंतिम अथारिटी बनाया जा रहा था, वो खत्म हो गया है, जिससे ये संशय भी खत्म हो गया कि कलेक्टर या तो मनमर्जी चला सकते हैं या किसी के इशारों पर काम कर सकते हैं।

मतलब ये भी हुआ केवल कलेक्टर की रिपोर्ट उच्च न्यायालय की स्वीकृति के बिना किसी संपत्ति के स्वामित्व में परिवर्तन नहीं कर सकती है. यह कार्रवाई शक्तियों के पृथक्करण के उल्लंघन और संपत्ति के स्वामित्व के संबंध में मनमाने निर्णयों से सुरक्षा प्रदान करती है।

3. वक्फ बोर्ड में गैर-मुसलिम सदस्य सीमित होंगे :वक्फ बोर्डों में गैर मुस्लिम सदस्यों के होने पर भी काफी एतराज और नाराजगी थी, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा बदलाव करते हुए राज्य वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्यों की संख्या सीमित कर दी है. इसमें राज्य वक्फ बोर्डों में गैर मुस्लिम 3 से ज्यादा नहीं हो सकते तो केंद्रीय वक्फ परिषद में 4 से ज्यादा गैर-मुसलिम सदस्य नहीं हो सकते, जिससे बोर्ड का धार्मिक चरित्र सुरक्षित रहेगा।

4. वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) :सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि जहां तक संभव हो वक्फ बोर्ड का ष्टश्वह्र मुस्लिम होना चाहिए, हालांकि उसने गैर-मुस्लिम नियुक्ति पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई है. हालांकि इस प्रावधान से आगे आने वाले समय में काफी विवाद हो सकता है. इसे लेकर मुस्लिमों को एतराज भी हो सकता है.

5. वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन का प्रावधान बना रहेगा :वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर कराने की प्रक्रिया कोई नई बात नहीं है, ये पहले भी लागू रहा है और इसमें कोर्ट ने कोई बदलाव नहीं किया है.सर्वोच्च न्यायालय ने वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की आवश्यकता में हस्तक्षेप नहीं किया, यह देखते हुए कि यह पिछले कानूनों में मौजूद था और नया नहीं है. पंजीकरण की समय सीमा के मुद्दे को स्वीकार किया गया है लेकिन इस अंतरिम आदेश में इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया ।

जब कानून संसद में बनता है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता , रिजिजू बोले- इसी पर लगी सुप्रीम मुहर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संसोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने एक तरह से भारत की संसद के फैसले को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब काई कानून संसद में बनाया जाता है तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता। इसी बात पर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई है। कोर्ट के आदेश पर रिजिजू ने कहा, वक्फ संशोधन अधिनियम पर पूरी सुनवाई के बाद आज सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश का मैं स्वागत करता हूं। सुप्रीम कोर्ट पूरे विषय से वाकिफ है। मामले को बहुत विस्तार से प्रस्तुत किया गया। सरकार की ओर से हमारे सॉलिसिटर जनरल ने सुप्रीम कोर्ट में अधिनियम के प्रावधानों और उसकी मंशा और सरकार की सोच को विस्तार से प्रस्तुत किया है। मेरा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जो भी फैसला दिया है, वह हमारे लोकतंत्र के लिए बहुत अच्छा संकेत है, क्योंकि जब कोई भी कानून संसद में बनता है, तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता और इसी बात पर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई है।

कनिमोझी बोलीं- तमिलनाडु में हिंदी थोपना असंभव, तमिल भाषा और संस्कृति रहेगी सुरक्षित

मदुरई, एजेंसी। डीएमके सांसद कनिमोझी ने रविवार को केंद्र सरकार की भाषा नीति और हिंदी थोपने के प्रयासों को लेकर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि तमिल भाषा न सिर्फ प्राचीन है, बल्कि आज भी जीवित और समृद्ध है, जबकि संस्कृत अब आम बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। इसके बावजूद केंद्र सरकार संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए बड़े पैमाने पर धन आवंटित करती है। कनिमोझी ने यह भी चेताया कि अगर किसी राज्य में स्थानीय भाषा को नजरअंदाज कर हिंदी या किसी अन्य भाषा को बढ़ावा दिया गया, तो वहां की संस्कृति और परंपरा पर खतरा मंडराने लगता है। उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हिंदी के बढ़ते प्रभाव ने मराठी भाषा की अहमियत को कम कर दिया है।

तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश नाकाम रही :कनिमोझी ने कहा कि तमिलनाडु में ऐसी स्थिति कभी पैदा नहीं हुई, क्योंकि यहां के लोग हमेशा अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए खड़े हुए। उन्होंने कहा, जब हिंदी थोपने की कोशिश हुई, तो पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। तमिलनाडु के लोगों के संघर्ष की वजह से ही आज तमिल भाषा, उसकी संस्कृति और परंपराएं सुरक्षित और जीवित हैं।

अनुराग ठाकुर पर कनिमोझी ने ली चुटकी :डीएमके सांसद कनिमोझी ने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर आज बच्चों से पूछा जाए कि चांद पर सबसे पहले कौन गया, तो वे नील आर्मस्ट्रॉन्ग का नाम बताएंगे। लेकिन कुछ उत्तरी नेता यह दावा कर सकते हैं कि सबसे पहले हमारी लोककथाओं की दादी या फिर हनुमान जी चांद पर पहुंचे थे।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले- राहुल के आरोपों की जांच हो

इलेक्शन कमीशन अपमान कर रहा; एसआईआर मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डालने जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एसवाई कुरैशी ने रविवार को चुनाव आयोग की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि आयोग को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों की जांच करवानी चाहिए थी, न कि उनके खिलाफ 'आपत्तिजनक और अपमानजनक' भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए था। कुरैशी ने PTI को दिए इंटरव्यू में कहा कि राहुल ने आरोप लगाते समय कई राजनीतिक शब्दों का इस्तेमाल किया था जैसे 'हाइड्रोजन बम' लेकिन यह महज 'राजनीतिक बयानबाजी' है। इसके बावजूद उन्होंने जो गंभीर शिकायतें उठाई हैं, उनकी विस्तार से जांच होनी चाहिए थी।

हजारीबाग में मुठभेड़, 3 इनामी नक्सली ढेर

पाती पिरी जंगल में एक करोड़ का इनामी सहदेव सोरेन भी मारा गया, एके-47 बरामद, 2 जवान घायल

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार को बड़ी मुठभेड़ हुई। गोरहर थाना क्षेत्र के पाती पिरी जंगल में हुई इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गए।

इनमें नक्सली संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ परवेश भी शामिल है, जिस पर एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित था।

लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियां इसकी तलाश में थीं। मुठभेड़ में कोबरा 209 और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने भाग लिया।

2 जवान भी हुए हैं घायल : पुलिस और नक्सलियों के बीच चली इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। ये अजय भौमिक 209 कोबरा बटालियन के सिपाही और सुब्रतो विश्वास कोबरा के जवान हैं। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया। दोनों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। सुब्रतो विश्वास पश्चिम बंगाल तो अजय भौमिक असम का रहने वाला है।

ढेर हुए दूसरे बड़े नक्सली नेता : मुठभेड़ में मारा गया दूसरा नक्सली रघुनाथ हेंब्रम था, जो बिहार-झारखंड विशेष क्षेत्र समिति का सदस्य था। उस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

चेन्नई में जुटेंगे दुनिया भर के कोस्ट गार्ड, 2027 में भारत करेगा ग्लोबल समिट की मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2027 में चेन्नई में पांचवें कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट (सीसीजीएस) की मेजबानी करेगा। यह आयोजन भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की स्वर्ण जयंती समारोह के साथ होगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह फैसला 11-12 सितंबर को इटली की राजधानी रोम में हुए चौथे सीसीजीएस में सर्वसम्मति से लिया गया। इस सम्मेलन में भारत समेत 115 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने कहा कि कोई भी देश अकेले समुद्री चुनौतियों के पूरे दायरे का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि 2027 का चेन्नई सम्मेलन एक समावेशी मंच बनेगा, जहां तटरक्षक बल आपसी भरोसा, सहयोग और इंटरऑपरेबिलिटी (साझा संचालन क्षमता) को और मजबूत करेंगे।

समुद्री सहयोग में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका : मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को एक बार फिर साबित किया है। तीन दिवसीय इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय तटरक्षक फ्लीट रिव्यू और वर्ल्ड कोस्ट गार्ड सेमिनार शामिल होंगे। यह कार्यक्रम समुद्री सुरक्षा से जुड़े नए चुनौतियों पर वैश्विक संवाद और अंतरराष्ट्रीय समुद्री एकता को प्रदर्शित करने का मंच बनेगा।

सीसीजीएस की अध्यक्षता का औपचारिक हस्तांतरण : समिट के दौरान सीसीजीएस की अध्यक्षता का औपचारिक हस्तांतरण हुआ। इस मौके पर भारतीय डीजी ने इस सम्मेलन को साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने में वैश्विक तटरक्षक सहयोग का प्रतीक बताया। उन्होंने इटली कोस्ट गार्ड का मेहमाननबाजी के लिए और जापान कोस्ट गार्ड का सीसीजीएस सचिवालय की भूमिका निभाने के लिए आभार जताया।

बीएमडल्यू हादसे में पीड़ित परिवार ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के धौला कुआं इलाके में रविवार दोपहर हुए सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय के उप सचिव नवजोत सिंह की मौत हो गई। हादसे के समय नवजोत बाइक से घर जा रहे थे। इस दौरान उनकी पत्नी संदीप कौर भी उनके साथ थीं। उन्हें भी इस घटना में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार चालक आरोपित महिला गगन प्रीत को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार अभी तक की जांच में पता चला है कि नवजोत सिंह अपनी पत्नी संदीप कौर के साथ गुरुद्वारा बंगला साहिब से घर लौट रहे थे लेकिन तभी एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में उनकी मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं अब इस हादसे का एक वीडियो सामने आया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय बीएमडब्ल्यू कार को एक महिला चला रही थी और उसका पति भी साथ था। इस हादसे के बाद नवजोत और उनकी पत्नी को 22 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर स्थित न्यूलाइफ अस्पताल ले जाया गया। यहां नवजोत सिंह ने दम तोड़ दिया। नवजोत के परिजनों ने कई सवाल उठाए थे और आरोपित कार चालक पर कार्रवाई की मांग की थी। वहीं नवजोत सिंह की मां ने रोते हुए कहा, मेरा बच्चा चला गया, बहुत नाइंसाफी हुई है मेरे बच्चे के साथ। मेरी बहू भी अस्पताल में है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद उनकी बहू बेहोश हो गई थी और जब उसे होश आया तो उसने खुद को अस्पताल में पाया और उसने ही हमें सूचना दी है।

नवजोत की 21 साल पहले संदीप कौर से शादी हुई थी। दो सितंबर को ही दोनों की शादी की सालगिराह थी और दोनों ने अपने बेटे के साथ मिलकर सालगिरह मनाई थी, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि 13 दिन बाद उनके परिवार की ये खुशियां मातम में तब्दील हो जाएंगी। 16 सितंबर को नवजोत और संदीप कौर के इकलौते बेटे नवनूर सिंह का बर्थडे भी है, लेकिन इससे पहले ही उनके घर में इतना बड़ा हादसा हो गया। पुलिस ने बवाना थाने में मामला दर्ज कर लिया। सुपरवाइजर बृजेश ने पूछताछ में बताया कि फैक्टरी डिफेंस कालोनी निवासी 26 साल के माधव गुप्ता की है। पुलिस पुलिस मिलावटी घी तैयार करने और सप्लाई करने की पूरी कड़ी खोलने में जुट गई है।

सिरसपुर... उर्वरक का अवैध गोदाम पकड़ा बाहरी उत्तरी जिला वाहन चोरी निरोधक शाखा ने सिरसपुर इलाके में चल रहे उर्वरक के अवैध गोदाम का खुलासा किया है। गोदाम मालिक बिना लाइसेंस के उर्वरक बेच रहा था। गोदाम से पुलिस ने करीब 13.17 टन उर्वरक बरामद किए हैं। पुलिस ने जनकपुरी निवासी गोदाम मालिक मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामला भी दर्ज कर लिया है। नवजोत के बेटे नवनूर सिंह ने बताया कि उनके पिता को घटनास्थल से 22 किलोमीटर दूर न्यू लाइफ अस्पताल ले जाया गया, जबकि पास में एम्स और सफदरजंग अस्पताल भी था। ऐसे में परिजन का कहना है कि अगर नवजोत को नजदीकी अस्पताल ले जाया जाता तो उनकी जान बच सकती थी। नवजोत सिंह की पत्नी संदीप ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि वह बार-बार नजदीकी अस्पताल ले जाने के लिए कह भी रही थीं, लेकिन उनकी नहीं सुनी गई।

वहीं इस घटना में घायलों को अपनी कार में अस्पताल ले जाने वाले गुलफान ने कहा कि मेरी कार में दो घायल व्यक्ति थे और आगे की सीट पर एक और महिला बैठी थी। आगे की सीट पर बैठी महिला ने मुझे कार आजादपुर की ओर न्यूलाइफ अस्पताल ले जाने के लिए कहा। घायलों की हालत बहुत खराब थी। हमें अस्पताल पहुंचने में 20 मिनट लगे। डॉक्टर अस्पताल में तैयार थे। इसीलिए उन्होंने उस अस्पताल में घायलों को ले जाने के लिए कहा। मैंने उनसे कुछ नहीं पूछा, क्योंकि मुझे आसपास के इलाकों के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी। वहीं आरोप है कि आरोपित महिला उस गाड़ी वाले को रास्ता बताकर दूर के अस्पताल ले गई। इसके साथ ही ये भी दावा किया जा रहा है कि आरोपित महिला जिस अस्पताल में नवजोत सिंह और उनकी पत्नी को इलाज के लेकर गई थी वह अस्पताल भी उस महिला का ही है, जिसे अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं नवजोत सिंह की पत्नी संदीप कौर ने पुलिस को दी शिकायत में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि हादसे के बाद जब वह घायल हालत में थीं तो आरोपित उन्हें और उनके पति को एक वैन जैसी गाड़ी में लेकर जा रहे थे। उन्होंने बार-बार रिक्वेस्ट की कि उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया जाए, लेकिन आरोपितों ने उनकी नहीं सुनी और पास के अस्पतालों की बजाय दूर जीटीबी नगर स्थित एक छोटे से अस्पताल में ले गए। संदीप कौर का आरोप है कि अगर तुरंत पास के बड़े अस्पताल में भर्ती कराया जाता तो उनके पति की जान बच सकती थी।

0000000000000

डीटीसी बसों में जल्द खत्म होगा कागज वाले टिकट का दौर, इस माह के अंत तक व्यवस्था हो जाएगी डिजिटल

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) अब कागज की गुलाबी व सफेद टिकटों से पूरी तरह छुटकारा पाने जा रहा है। सितंबर अंत तक डीटीसी का टिकटिंग सिस्टम पूरी तरह डिजिटल हो जाएगा। इसके बाद यात्रियों को टिकट खरीदने के लिए सिर्फ ई-पीओएस मशीन या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करना होगा। डीटीसी ने राजघाट-2, कालकाजी और हसनपुर डिपो की करीब 700 बसों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया जो सफल रहा। अब कैनरा बैंक के सहयोग से 7,000 से अधिक ई-पीओएस मशीनें खरीदी जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही यह व्यवस्था क्लस्टर बसों में भी लागू की जाएगी। नई मशीनें जीपीएस-सक्षम होंगी। इनके जरिए न केवल टिकटिंग होगी बल्कि बसों की लोकेशन, भीड़भाड़, आगमन और प्रस्थान का वास्तविक समय (रियल-टाइम) डाटा भी मिलेगा। इससे सरकार को रूट रेशनलाइजेशन और समयसारिणी तय करने में मदद मिलेगी। महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा (पिंक टिकट) पर भी नियंत्रण होगा। अभी कई बार कंडक्टर बिना जांचे टिकट जारी कर देते हैं जिससे सरकार को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता है। डिजिटल टिकटिंग से यह गड़बड़ी रुक जाएगी। यात्री ऑनलाइन भुगतान, यूपीआई, व्हाट्सएप, वन दिल्ली ऐप, चार्टर ऐप और टुम्मोक ऐप से टिकट खरीद सकेंगे।

ऑनलाइन सुविधा न होने पर नकद टिकट : जिनके पास ऑनलाइन सुविधा नहीं है वे नकद देकर टिकट ले सकेंगे। हर सीट के पीछे क्यूआर कोड चिपकाया जाएगा। जल्द ही डीटीसी का नया ऐप भी लॉन्च होगा। महिलाओं के लिए मशीन से टिकट निकलेगा लेकिन उन्हें भुगतान नहीं करना होगा।

वर्ष 2026 के अंत तक दिल्ली की सभी बसें इलेक्ट्रिक होंगी: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि वर्ष 2026 के अंत तक राष्ट्रीय राजधानी की सभी बसें इलेक्ट्रिक हो जाएंगी। हर बस डिपो में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन भी होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली में 10 'नमो वन' विकसित किए जाएंगे, जहां हरित वातावरण को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यहां एक मीडिया संस्थान के कार्यक्रम में कहा कि दिल्ली में प्रदूषण को नियन्त्रित करने के लिए 'डस्ट लिटिगेशन प्रोग्राम' लागू किया गया है और हाईराइज बिल्डिंग्स पर स्मोक को नियंत्रित करने के उपाय किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के आमंत्रित सदस्य एवं शिक्षाविद् मुकुल कानिटकर, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर समेत कई प्रमुख गण्यमान्य उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में 1200 'आरोग्य मंदिर' बनाए जा रहे हैं, जहां सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने पराली को खत्म करने की दवा बनाने का केवल प्रचार किया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यहां तक कि मेडिकल स्टाफ को भी दिहाड़ी मजदूर की तरह छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली-एनसीआर का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर केंद्र सरकार की देन है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जितना धन्यवाद दिया जाए, वह कम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की 2.5 करोड़ आबादी में 700 झुग्गी क्लस्टर और 180 अनधिकृत कॉलोनियां हैं, जिन्हें व्यवस्थित करने की दिशा में काम हो रहा है। साथ ही दिल्ली को आईटी, पर्यटन और शिक्षा का हब बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की ताकत उसकी संस्कृति और विविधता है, लेकिन कमजोरी यह है कि लोग इसे अपना घर मानकर जिम्मेदारी नहीं निभाते। गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों ने अहंकार में फंड का सही इस्तेमाल नहीं किया और केवल पब्लिसिटी पर ध्यान दिया। दिल्ली की खून-पसीने की कमाई से बने शीश महल जैसे प्रोजेक्ट पर पैसा बर्बाद हुआ, अब हमारी सरकार बनने के बाद उसमें लगा लोगों का पैसा ब्याज समेत वसूल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब दिल्ली में अच्छी सड़कें, बेहतर परिवहन और पर्याप्त जल आपूर्ति को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। इस मौके पर पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा केवल विकास की नहीं, बल्कि संकल्प की भी बात है। भारत की सभ्यता और समृद्धि की गूंज हड़प्पा से लेकर पाटलिपुत्र तक सुनाई देती है और यह यात्रा आज के आधुनिक भारत के निर्माण में भी दिखाई देती है। शहरी विकास केवल इमारतों और सड़कों का निर्माण नहीं है, बल्कि यह समावेशी भारत की नई ताकत को दर्शाता है। आज जब 'विशिष्ट भारत 2047' की परिकल्पना सामने रखी जा रही है, तो उसमें यह साफ झलकता है कि भारत का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। शंकर ने कहा कि यह सम्मेलन केवल नीतियों और योजनाओं का मंच नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और उसकी प्राचीन से आधुनिक यात्रा का प्रतीक है।

हाईकोर्ट ने आठ हजार से ज्यादा वोकेशनल ट्रेनिंग छात्रों को दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। हाईकोर्ट ने हेल्थकेयर वोकेशनल ट्रेनिंग से जुड़े दो मामलों में करीब 8 हजार छात्रों को राहत दी है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ ने नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) को निर्देश दिया कि वह विरोहन प्राइवेट लिमिटेड के शेष 812 छात्रों के लिए पोर्टल से प्रमाणपत्र जारी करे। अदालत ने वर्तमान वर्ष में दाखिला लेने वाले 2212 छात्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। मामला डीपीएमआई वोकेशनल प्राइवेट लिमिटेड और विरोहन प्राइवेट लिमिटेड की याचिकाओं से जुड़ा है। विरोहन एक टेक्नोलॉजी आधारित हेल्थकेयर ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म है, जो क्वालिफिकेशन पैक्स (क्यूपी-एनओएस) के माध्यम से एलाइड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग करता है। विरोहन ने अपनी याचिका में मांग की थी कि डीएक्टिवेटेड कोर्सेस में दाखिला लेने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र दिए जाएं और अंतरिम आदेशों के तहत दाखिला लेने वाले 2212 छात्रों की रक्षा की जाए। कोर्ट ने पाया कि एनएसडीसी ने कुछ छात्रों को प्रमाणपत्र जारी किए, लेकिन कुछ को नहीं, जो असंगत है। कोर्ट ने अनुच्छेद 14 के तहत छात्रों के साथ भेदभाव नहीं किया जा सकता।

यमुना में मिलाकर बहाया जा रहा घरेलू और औद्योगिक कचरा, कोर्ट ने कहा- ब्लेम गेम बंद करे सरकार

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। हाईकोर्ट ने यमुना नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए स्वत: संज्ञान लेते हुए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी) की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने फैसले में कहा कि दिल्ली में घरेलू सीवेज और औद्योगिक कचरे का मिश्रण हो रहा है।

ज्यादातर इंडस्ट्रीज बिना ट्रीटमेंट के कचरा नालों में डाल रहे जिससे उपचारित पानी के साथ मिलकर यमुना में बह रहा है। इससे ट्रीटमेंट का पूरा उद्देश्य बेकार हो जाता है। अदालत ने दिल्ली सरकार की 29 अगस्त 2025 की एक्शन टेकन रिपोर्ट को अन्य रिपोर्टों से विपरीत बताते हुए कहा कि बिना ब्लेम गेम के तीन मुख्य पहलुओं पर व्यापक कदम उठाने की जरूरत है ड्रेनेज मास्टर प्लान : दिल्ली के मौजूदा स्टॉर्म वाटर और सीवेज ड्रेन सिस्टम का नक्शा तैयार किया जाए। आईआईटी-दिल्ली द्वारा 2018 में तैयार ड्रेनेज मास्टर प्लान को अपडेट किया जाए। मुख्य सचिव जीएनसीटीडी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कंसल्टेंट रिपोर्ट्स : नजफगढ़ बेसिन (एम/एस हास्कोनिंग डीएचवी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड), बारापुला बेसिन और ट्रांस-यमुना बेसिन (एम/एस ग्रीन डिजाइन एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) के लिए कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट्स कोर्ट में पेश की जाएं। मुख्य सचिव इनकी सिफारिशों पर फैसला लें, लेकिन अगली सुनवाई तक कोई टेंडर जारी न किया जाए। एजेंसियां कोर्ट में हाजिर हो सकती हैं।

एसटीपी और सीईटीपी पर एक्शन : दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) एसटीपी के लिए व्यापक एक्शन प्लान पेश करे। सीईटीपी के लिए दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी (डीपीसीसी) को पार्टी बनाया गया है। डीपीसीसी को 19 सितंबर 2025 को हाजिर होकर सभी इंडस्ट्रियल एरिया का चार्ट पेश करना होगा, जिसमें कचरे के ट्रीटमेंट की मॉनिटरिंग, इंडस्ट्रीज में ट्रीटमेंट प्लांट्स की जानकारी शामिल हो। दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) को 13 सीईटीपी की अपग्रेडेशन पर स्टेटस रिपोर्ट और बवाना-नरेला इंडस्ट्रीज का चार्ट एक सप्ताह में दाखिल करने का निर्देश दिया है। आईडीएमसी के स्पेशल सेक्रेटरी संदीप मिश्रा को 19 सितंबर को हाजिर होने को कहा गया है। अदालत ने कहा कि यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी कदम जरूरी है, अन्यथा स्थिति और बिगड़ेगी। डीपीसीसी के वकील को नोटिस जारी किया गया है। अगली सुनवाई 19 सितंबर 2025 को डीपीसीसी के लिए और 29 अक्तूबर 2025 को एसटीपी के एक्शन प्लान पर होगी।

अदालत ने लोकल कमिश्नरों- विवेक कुमार टंडन, वृंदा भंडारी और प्रवीण गुप्ता- की रिपोर्टों का हवाला देते हुए चौंकाने वाले तथ्य बताए। इनमें शामिल हैं...

दिल्ली भर में घरेलू और औद्योगिक कचरे का मिश्रण

ज्यादातर इंडस्ट्रीज बिना ट्रीटमेंट के कचरा नालों में डाल रही हैं एसटीपी और सीईटीपी से निकलने वाला ट्रीटेड पानी अनट्रीटेड कचरे के साथ मिलकर यमुना में बहता है

सीईटीपी का कम उपयोग, पाइपलाइनों में जंग और टूट-फूट ज्यादातर प्लांट्स में इनलेट-आउटलेट फ्लो मीटर और लाइव मॉनिटरिंग की कमी, हालांकि कुछ में लाइव रीडिंग उपलब्ध है

एआई से बनाई छात्रा की अश्लील फोटो, वीड़ियो बनाकर पड़ोसी करने लगा ब्लैकमेल; अब पुलिस कर रही तलाश

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में एक युवक ने एआई की मदद से अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर 15 साल की किशोरी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपी ने फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता से वसूली शुरू कर दी।

करीब पांच बार में आरोपी ने पीड़िता से 48 हजार रुपये वसूले। अब वह छात्रा को घर बुलाने का दबाव बनाने लगा। घर से पैसे गायब होने पर परिजनों ने छात्रा से पूछा तो उसने हकीकत बयां कर दी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़, पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता एक सरकारी स्कूल में 10वीं कक्षा की छात्रा है। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि उसने अपने मां के मोबाइल फोन में इंस्टाग्राम आईडी बनाई हुई है। 3-4 महीने पहले उसकी इंस्टाग्राम के जरिये पड़ोसी लड़के से दोस्ती हुई थी। दोनों इंस्टा पर चैट करने लगे। आरोपी ने छात्रा को गर्लफ्रेंड बनने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया।

इस आरोपी ने इंस्टाग्राम पर उसकी अश्लील फोटो एआई की मदद से बनाई और उसे भेज दी। वायरल करने की धमकी दी। छात्रा ने ऐसा करने से मना किया तो उसने रुपयों की डिमांड की। पीड़िता ने डेढ़ माह के दौरान उसे पांच बार में 48 हजार रुपये भेजे।

आरोपी छात्रा पर कमरे में आने का दबाव बनाने लगा। मना करने और पुलिस से शिकायत करने पर वह भाई को जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता डर गई। छात्रा का आरोप है कि आते-जाते समय भी आरोपी छेड़छाड़ भी करता था। विरोध करने पर धमकाता था। शुक्रवार रात परिजनों को घर से रुपये गायब होने का पता चला तो पीड़िता ने मां को सारी बात बता दी। मां छात्रा को लेकर करावल नगर थाने पहुंची और अपनी शिकायत दी। मामला दर्ज होने की जानकारी मिलते ही आरोपी घर से गायब हो गया।

अमेरिकी चैनल के होस्ट ब्रायन ने माफी मांगी, कहा- बेघर मानसिक रोगियों को फांसी की बात बेहद असंवेदनशील थी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी चैनल फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रायन किल्मेडे ने पिछले हफ्ते नेटवर्क पर एक चर्चा में मानसिक रूप से बीमार बेघर लोगों को फांसी दिए जाने की वकालत करने के लिए माफी मांगी। उन्होंने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि उनकी टिप्पणी बेहद असंवेदनशील थी।

किल्मेडे की पहली टिप्पणी बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को फॉक्स एंड फ्रेंड्स कार्यक्रम में हुई बातचीत के दौरान आई थी, जो इस सप्ताहांत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी। वह अपने सह-होस्ट लॉरेंस जोन्स और ऐंसली इयरहार्ट के साथ 22 अगस्त को उत्तरी कैरोलिना के शार्लोट में एक ट्रेन में हुई इरीना जारुत्स्का की चाकू मारकर हत्या के बारे में चर्चा कर रहे थे।

हत्या के आरोप में डेकार्लोस ब्राउन जूनियर को किया गया था

गिरफ्तार: एक बेघर और मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति डेकार्लोस ब्राउन जूनियर को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद फॉक्स न्यूज पर इस खबर को काफी प्रमुखता से दिखाया गया। बातचीत के दौरान जोन्स ने कहा कि सरकार बेघर लोगों की मदद पर बहुत पैसा खर्च करती है, लेकिन अगर कोई उनकी सेवाएं स्वीकार नहीं करता तो उसे जेल भेजा जाना चाहिए। इस पर किल्मेडे ने बीच में कहा, या अनैच्छिक रूप से जानलेवा इंजेक्शन, या कुछ और, बस उन्हें मार डालो। वहीं, इयरहार्ट ने बीच में ही टोकते हुए पूछा, आखिर बात यहां तक क्यों पहुंची? इस पर किल्मेडे ने जवाब दिया, मैं यह जरूर कहूंगा कि हम सही लोगों को वोट नहीं दे रहे हैं।

जानलेवा इंजेक्शन लगवाने के लिए मैंने गलती से कहा: रविवार को फॉक्स एंड फ्रेंड्स के वीकेंड शो में किल्मेडे ने कहा, मैंने गलती से कहा था कि उन्हें जानलेवा इंजेक्शन लगवाना चाहिए। मैं उस बेहद असंवेदनशील टिप्पणी के लिए माफी चाहता हूं। मुझे अच्छी तरह पता है कि सभी मानसिक रूप से बीमार और बेघर लोग वैसा अपराध नहीं करते जैसा उत्तरी कैरोलिना में हुआ, और उनमें से कई हमारी सहानुभूति और करुणा के हकदार हैं। फॉक्स न्यूज प्रबंधन ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

ट्रंप की विदेशी कंपनियों से अपील, अमेरिका में निवेश के साथ देश के कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करें

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को विदेशी कंपनियों से अपील की कि वह न केवल अमेरिका में निवेश करें, बल्कि जटिल और उच्च तकनी वाले उत्पादों के निर्माण में अमेरिकी कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करें। इसके लिए उन्होंने विशेषज्ञ कर्मचारियों को अमेरिका लाने की भी अपील की। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, अमेरिका को फिर से एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग की तकनीक सीखने की जरूरत है, खासकर सेमीकंडक्टर, जहाज निर्माण और उच्च तकनीक वाली मशीनरी जैसे क्षेत्रों में। ट्रंप ने कहा, जब विदेशी कंपनियां अमेरिका में बड़े निवेश के साथ आती हैं और जटिल उत्पाद बनाती हैं, तो मैं चाहता हूं कि वे अपने विशेषज्ञ कर्मचारियों को कुछ समय के लिए अमेरिका भेजें, ताकि वह अमेरिकी कर्मचारियों को जटिल उत्पादों को बनाने के तरीके सिखा सकें।

अमेरिकी औद्योगिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने के लिए ज्ञान हस्तांतरण जरूरी: अमेरिकी राष्ट्रपति ने तर्क दिया कि विदेशी निवेश के दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने और अमेरिकी औद्योगिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने के लिए इस प्रकार का ज्ञान हस्तांतरण आवश्यक है। उन्होंने कहा, अगर हम ऐसा नहीं करते, तो वह विशाल निवेश कभी नहीं आ पाता- चिप्स, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटर, जहाज, रेलगाड़ियां और ऐसे कई अन्य उत्पाद जिन्हें हमें दूसरों से बनाना सीखना होगा, क्योंकि हम पहले इसमें बहुत अच्छे थे, लेकिन अब नहीं।

ट्रंप ने जहाज निर्माण का दिया उदाहरण : उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका कभी रोजाना एक जहाज बनाता था, लेकिन अब मुश्किल से साल में एक जहाज बन पाता है। ट्रंप ने तर्क दिया कि विदेशी विशेषज्ञों से सीखकर अमेरिकी उद्योग फिर से आत्मनिर्भर और मजबूत हो सकते हैं।

यूक्रेन ने रूस पर 361 ड्रोन दागे, तेल रिफाइनरी में विस्फोट, रेल पटरी नष्ट

मॉस्को (रूस), एजेंसी। रूस की आक्रामकता से झुलस रहे यूक्रेन ने पिछले 48 घंटों में उसे क्षति पहुंचाने की बड़ी कोशिश की है। रूस के अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन ने शनिवार शाम से रविवार सुबह सूरज उगने से पहले तक कम से कम 361 ड्रोन दागे। इस दौरान उत्तर-पश्चिम में स्थित विशाल किरिशी तेल रिफाइनरी में शक्तिशाली विस्फोट हुआ और आग लग गई।

द मॉस्को टाइम्स और तास की रिपोर्ट्स में इस घटना का जिक्र करते हुए बताया गया है कि नाटो सदस्य पोलैंड में रूसी ड्रोन गिराए जाने के कुछ देरबाद यूक्रेन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस में तेल रिफाइनरी और पाइप लाइनों पर हमले किए। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने कम से कम 361 ड्रोन मार गिराए। खबरों के अनुसार, पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र के

अलग-अलग हिस्सों में रविवार तड़के दो ट्रेनें पटरी से उतर गईं। हादसे में एक ट्रेन चालक की मौत हो गई और रेल यातायात बाधित हो गया।

दोनों घटनाएं शनिवार देररात पश्चिमी ओरयोल में रेल पटरी के एक हिस्से पर विस्फोटक के कुछ घंटों बाद हुईं। इस विस्फोट में तीन रूसी राष्ट्रीय रक्षक अधिकारी मारे गए। यूक्रेन सैन्य खुफिया एजेंसी के एक सूत्र ने दो हमलों की जिम्मेदारी ली, लेकिन उस दुर्घटना की जिम्मेदारी नहीं ली जिसमें चालक की मौत हो गई।

कीव ने कहा है कि मॉस्को इन रेल मार्गों का इस्तेमाल यूक्रेन में लड़ रही अपनी सेना के लिए सैनिकों और ईंधन पहुँचाने के लिए करता है। इसलिए इनको निशाना बनाया गया। गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, लेनिनग्राद के गाचिना जिले में सेमरिनो स्टेशन के पास एक डीजल इंजन पटरी पर उतर गया। उसके चालक की मौत हो गई। ड्रोज्डेंको ने बताया कि 15 बोगी वाली एक मालगाड़ी भी दिन में दक्षिण में स्ट्रोगानोवो और मशिन्स्काया गांवों के बीच पटरी से उतर गई।

तास के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने विशेष सैन्य अभियान क्षेत्र में 24 घंटे में लगभग 1,330 सैनिकों को खोया है। विशेष रूप से बैटलग्रुप नॉर्थ के क्षेत्र में 170 सैनिक, बैटलग्रुप वेस्ट के क्षेत्र में 240 से अधिक सैनिक, बैटलग्रुप साउथ के क्षेत्र में 200 सैनिक, बैटलग्रुप सेंटर के क्षेत्र में 450 सैनिक, बैटलग्रुप ईस्ट के क्षेत्र में 225 से अधिक सैनिक और बैटलग्रुप डेनेपर के क्षेत्र में 45 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए।

मंत्रालय ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों के परिचालन-सामरिक विमानन, लड़ाकू यूएवी, मिसाइल सैनिकों और तोपखाने ने यूक्रेनी सेना के यूएवी ऑपरेटरों के प्रशिक्षण केंद्रों और यूक्रेनी सैनिकों के अस्थायी तैनाती स्थलों पर हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है, यूक्रेन के 142 जिलों को निशाना बनाया गया।

मुख्यमंत्री का आगमन और खाद की समस्या से जूझते किसान, आखिर समाधान कब होगा?

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के चाकघाट मंडी प्रांगण में आगामी 19 सितंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का आगमन होना निश्चित हुआ है। इस अवसर के लिए भाजपा कार्यकर्ता और प्रशासन जी-जान से व्यापक तैयारी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए जगह-जगह बैनर और पोस्टर लगाए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर, खाद के संकट से जूझते किसान परेशान हैं। नगर परिषद कार्यालय चाकघाट में खाद प्राप्त करने के लिए किसानों की लंबी लाइन देखी जा रही है। इन किसानों ने बताया कि उन्हें पहले टोकन मिलेगा, लेकिन खाद बाद में मिलेगी। खाद के टोकन प्राप्त करने में किसानों के उग्र होने की आशंका के चलते पुलिस की व्यवस्था की गई है।

किसानों के हितैषी मुख्यमंत्री का आगमन और खाद के लिए किसानों की लंबी लाइन कहीं न कहीं प्रशासनिक अव्यवस्था को दर्शाता है। भाजपा कार्यकर्ताओं में जहां मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उत्साह है, वहीं किसानों के अंदर भारी मायूसी है। किसानों का कहना है कि उन्हें समय पर खाद नहीं मिल रही है। कई किसान नगर परिषद चाकघाट परिसर में खाद की लाइन में खड़े होकर हमारे संवाददाता से बोले कि खाद के लिए इससे पहले कभी इतनी परेशानी नहीं उठानी पड़ी थी जितनी कि इस बार उठानी पड़ रही है।

किसानों ने यह भी कहा कि खाद की कमी के कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं। धान की खड़ी फसल को बचाने के लिए उन्हें खाद की अत्यधिक आवश्यकता है। ऐसे में, मुख्यमंत्री के आगमन के पहले खाद की समस्या का समाधान किस तरह से होगा, यह एक बड़ा सवाल है। किसान नेता और स्थानीय प्रतिनिधि प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि वे इस समस्या का समाधान प्राथमिकता से करें। यदि प्रशासन ने समय पर कदम नहीं उठाए, तो किसानों को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस प्रकार, चाकघाट में खाद की समस्या और मुख्यमंत्री के आगमन ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। किसानों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने की आवश्यकता है, ताकि वे अपनी फसल को सुरक्षित रख सकें और उनकी मेहनत का फल मिल सके। किसानों का कहना है कि यदि उन्हें समय पर खाद नहीं मिली, तो उनकी फसलें सूख सकती हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और भी खराब हो जाएगी। इसलिए, यह आवश्यक है कि प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से ले और किसानों को राहत प्रदान करे।

किसानों ने यह भी सुझाव दिया है कि खाद की वितरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि उन्हें बार-बार लाइन में न लगना पड़े। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वे समय-समय पर किसानों की समस्याओं का समाधान करें और उनकी आवश्यकताओं को समझें।

पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों का तेजस्वी प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह के निर्देशन में सीधी जिले के 13 पीएमश्री विद्यालयों के शिक्षकों के लिए जिला स्तरीय दो दिवसीय तेजस्वी प्रशिक्षण एवं शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र. 2, सीधी में 13 एवं 14 सितम्बर को किया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ सहायक संचालक ओशो उत्सव, एडीपीसी प्रवीण शुक्ल तथा उत्कृष्ट विद्यालय के विजय सिंह चौहान की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर श्री धनराज सिंह पटेल (टिकरी) एवं श्री पुष्पराज सिंह चंदेल (खुटेली) ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया।

तेजस्वी प्रशिक्षण का उद्देश्यः एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमशीलता, आत्मनिर्भरता और 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों का विकास करना है। इसके तहत कक्षा 9वीं एवं 11वीं के छात्र-छात्राएँ अपने विद्यालय, समाज और परिवेश की समस्याओं की पहचान कर नवाचारी समाधान प्रस्तुत करेंगे। छात्र अपने कौशलों के आधार पर उत्पाद विकसित कर छोटे व्यवसाय की शुरुआत करेंगे और आगे चलकर उसे बड़े व्यापार का स्वरूप भी दे सकेंगे।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता, नवाचार की दृष्टि और व्यावहारिक जीवन कौशलों का भी विकास करेगा।

नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका परिषद सीधी ने की 24 लाख से अधिक की कर वसूली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगर पालिका परिषद सीधी के गठन के बाद नेशनल लोक अदालत में इस बार संपत्ति कर एवं जलकर वसूली के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई। दिनांक 13 सितम्बर 2025 को आयोजित इस लोक अदालत में कुल 24,07,730 रूपये की वसूली की गई। मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल के निर्देशन एवं राजस्व प्रभारी श्री ललोहर साहू के नेतृत्व में नगर पालिका सीधी के सभी वार्ड प्रभारियों ने नागरिकों से घर-घर जाकर संपर्क किया और उन्हें लोक अदालत के अवसर पर बकाया कर जमा करने के लिए प्रेरित किया। इस सक्रिय अभियान में वार्ड प्रभारी बृजेश सिंह षोरेष, अरविंद पाठक, जयप्रकाश सिंह बघेल,

वंशराज सिंह, लालजी सिंह, महेंद्र सिंह, अजीत सिंह, सुरेश पाण्डेय, रामू नापित, किरण सिंह एवं अमरेंद्र पटेल का विशेष योगदान रहा। नागरिकों की सकारात्मक भागीदारी से अभूतपूर्व वसूली संभव हुई। इस दौरान नगर पालिका सीधी के कंप्यूटर ऑपरेटर विकास सिंह ने भी सराहनीय कार्य करते हुए समय पर सभी संपत्ति कर एवं जलकर की रसीदों का ऑनलाइन प्रबंधन सुनिश्चित किया।

'राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा' विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 'राजभाषा हिंदी की दशा एवं दिशा' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. निशा सिंह तथा सहवक्ता के रूप में डॉ. अमिता खरे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने की।

कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आकांक्षा मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से प्रो. बाबा हरिनन्द, डॉ. रामधारी जायसवाल, डॉ. सौरभी गुप्ता, डॉ. राजेश पटेल, डॉ. ज्योति रजक, संदीप कोल, अनिल केवट सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस, सीधी में हिंदी दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के कैलेंडर अनुसार हिंदी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में तीन दिवसीय गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में राजभाषा हिंदी की दशा और दिशा विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष श्री विनोद कुमार साकेत ने बताया कि हिंदी ने भूमंडलीकरण और तकनीकी युग में अपनी योग्यता और क्षमता को सिद्ध करते हुए सभी क्षेत्रों में विकास की ओर अग्रसरता दिखाई है। प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिसकी भाषा जितनी सुदृढ़ होगी उसकी अभिव्यक्ति उतनी ही प्रभावी होगी, इसलिए विद्यार्थियों को हिंदी पर अच्छी पकड़ बनानी चाहिए। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिंह ने भी अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

प्रतियोगिता में अनेक छात्र-छात्रा ओं ने भाग लिया। इसमें आनित सिंह चौहान (एम.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम स्थान, कंचन जायसवाल (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा चंदन पटेल (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप सोनी ने हिंदी की महत्ता को एक रोचक प्रसंग से जोड़कर विवेचित किया। कार्यक्रम में डॉ. राजकुमार सिंह सोटिया, रामानुज पटेल, डॉ. श्वेता सिंह, डॉ. नुसरत अली खान, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. प्रमोद सिंह, डॉ. आशुतोष पांडेय सहित अनेक प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान का होगा आयोजन

अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य जन-भागीदारी, स्वच्छता सेवा और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को व्यापक स्वरूप देना है।

कलेक्टर द्वारा आदेश जारी कर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी तथा शहरी क्षेत्रों के लिए नगर पालिका परिषद सीधी, मझौली, चुरहट एवं रामपुर नैकिन के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रमुख गतिविधियां: रक्तदान शिविर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक जिले के निर्धारित स्वास्थ्य केन्द्रों पर क्रमवार रक्तदान शिविर आयोजित होंगे। शुभारंभ दिवस 17 सितम्बर को माननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी होगा। इसकी व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक करेंगे।

स्वास्थ्य शिविर - अभियान अवधि में सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे। डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, जांच उपकरण एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता अभियान - 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलेगा। विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों एवं शासकीय परिसरों में विशेष साफ-सफाई की जाएगी।

पौधारोपण कार्यक्रम - एक पेड़ मां के नाम, एक बगिया मां के नाम के तहत पौधारोपण किया जाएगा। वन एवं उद्यानिकी विभाग पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। साथ ही नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में नमो पार्क/नमो उपवन विकसित किए जाएंगे।

विशेष शिविर - 27 और 28 सितम्बर को सामाजिक न्याय विभाग दिव्यांगजनों हेतु विशेष शिविर आयोजित कर उपकरण वितरित करेगा।

स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा - महिला स्व-सहायता समूहों और कारीगरों के उत्पादों की प्रदर्शनी व मेले आयोजित किए जाएंगे।

सांस्कृतिक व शैक्षिक गतिविधियां - विकसित भारत थीम पर विद्यालयों और महाविद्यालयों में चित्रकला, वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी होंगी।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान-स्वास्थ्य सेवाओं का महाकुंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक श्स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियानश् का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जाएगा, जिसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, गैरसंचारी रोग, मुख एवं स्तन कैंसर, क्षय रोग, मानसिक स्वास्थ्य, मोतियाबिंद, जैनेटिक कार्ड वितरण, दन्त रोग एवं श्रवण संबंधी जांच शामिल हैं। सीएमएचओ डॉ बबिता खरे ने उक्त अभियान में शिविरो के आयोजन के लिए बताया कि जिला स्तर से मानसिक रोग चिकित्सक, दन्त चिकित्सक, परामर्शदाता एवं संबंधित विकासखंड स्तर से अन्य चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित होकर कार्य करेंगे। 17 सितंबर को जिला चिकित्सालय सीधी, अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया, शहरी स्वास्थ्य केंद्र सीधी, 20 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन, 22 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझौली, 24 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल, 27 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करने, स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य को पूर्ण किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सीधी डॉ बबिता खरे द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य संस्थाओं में शिविर हेतु आवश्यक तैयारियां करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा स्वास्थ्य सेवा पहले से दी जा रही है, लेकिन इस अभियान के माध्यम से हम महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करने और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

समग्र शिक्षा अंतर्गत समृद्धि कार्यक्रम का सफल आयोजन चयनित शिक्षक राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री पवन कुमार सिंह के निर्देशन में कला उत्सव के अंतर्गत समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 सीधी के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ओशो उत्सव, एडीपीसी प्रवीण कुमार शुक्ला एवं एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य, जिला सांस्कृतिक प्रभारी श्रवण कुमार शुक्ला, जिला योग प्रभारी आदर्श मिश्रा एवं जिलेभर के प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहे।

एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्यापन कराने वाले विषय शिक्षक एवं कला शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने अपने-अपने विषयों और कला के माध्यम से शिक्षा में नवाचार प्रस्तुत किए तथा विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को सरल, रोचक एवं प्रभावी बनाने के नए-नए तरीके प्रदर्शित किए।

निर्णायकों द्वारा प्रस्तुतियों के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु शिक्षकों का चयन किया गया। चयनित शिक्षकों में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 सीधी, गणेश सीनियर सेकेंडरी विद्यालय पडरा सीधी एवं शासकीय सांदीपनि विद्यालय सिहावल के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों को जिले की ओर से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के अंत में चयनित शिक्षकों को शुभकामनाएं दी गईं और सभी प्रतिभागियों को नवाचार की दिशा में सतत प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/822/E- Tender/PMAY-AHP/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 10.09.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय अवसर)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रीवा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गोल क्वार्टर साईट एवं एस.ए.एफ. साईट में निर्माणाधीन दुकानें / निर्माणाधीन कार्यालय इकाई जो रिक्त हैं, के अंतरण हेतु प्रीमियम तथा भू-भाटक, म.प्र. नगर पालिक निगम (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 के 2 के संशोधित नियम 3(1) के तहत ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। कोई भी इच्छुक व्यक्ति/निविदाकार / फर्म, ऑन लाईन शुल्क जमा कर निविदा में भाग ले सकते है। विवरण तालिका में दर्शित है। निर्धारित आवेदन पत्र शर्तों नियमावली के साथ रूपये 1000:00 का भुगतान कर ऑनलाईन प्राप्त किया जा सकता है। निविदा में भाग लेने के लिए आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार हैः-

1. ऑन लाईन भुगतान किये गये शुल्क के रसीद की स्कैन कॉपी।
2. शपथ पत्र रूपये 100.00 के नॉन ज्यूडीसियल स्टॉम पेपर में नोटराइज किया हुआ, जिसमें उल्लेखित होगा कि व्यक्ति/निविदाकार / फर्म किसी भी संस्था से ब्लैक लिस्टेड या डिफाल्टर घोषित नहीं किया गया है।
3. आधार कार्ड।
4. पैन कार्ड।
5. निविदाकार को अपना स्थाई पता, मोबाईल नम्बर एवं अन्य जानकारी निविदा के साथ संलग्न प्रारूप में भरकर हस्ताक्षर सहित प्रस्तुत करना होगा।

उपरोक्त दस्तावेजों की स्कैन कॉपी ऑनलाईन जमा करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के अभाव में निविदा अमान्य कर दी जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जबावदारी निविदाकार की स्वयं की होगी। निविदा संबंधित प्रमुख तिथियों निम्नानुसार हैः-

1. ऑन लाईन निविदा फार्म खरीदने की प्रारंभ तिथि -17/09/2025 समय सुबह 9.00 बजे से।
2. ऑन लाईन निविदा फार्म खरीदने की अंतिम तिथि -03/10/2025 समय शांय 18.00 बजे तक।
3. ऑन लाईन निविदा फार्म जमा करने की प्रारंभ तिथि - 17/09/2025 समय सुबह 9.00 बजे से।
4. ऑन लाईन निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि -03/10/2025 समय शांय 18.00 बजे तक।
5. ऑन लाईन तकनीकी लिफाफा खुलने की तिथि -06/10/2025 समय दोपहर 12.00 बजे से।
6. ऑन लाईन वित्तीय लिफाफा खुलने की तिथि -कार्यालयीन प्रक्रिया पर्ण होने के उपरांत ऑनलाइन सूचित किया जावेगा।

निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकार को ई-टेण्डरिंग पोर्टल www.mpteders.gov.in मे आवश्यक शुल्क जमा कर पंजीयन कराना होगा। पोर्टल में पंजीयन के बिना कोई भी निविदाकार निविदा में भाग नही ले सकता। अधिकतम प्रीमियम प्रदाता (H1) निविदाकार का चयन सफल निविदाकार के रूप में किया जायेगा। प्रतिभूति राशि ऑनलाईन जमा करनी होगी। उच्चतम निविदादाता को विक्रय मूल्य की 25 प्रतिशत राशि निविदा खुलने के दिनांक से 21 दिवस के भीतर जमा करनी होगी शेष राशि अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के संशोधित नियम 7 के अनुसार जमा करनी होगी। योजना के अभिन्यास का अवलोकन एवं विस्तृत जानकारी सहायक यंत्री, कक्ष क्रमांक 38 एवं 45. प्रधानमंत्री आवास योजना, नगर पालिक निगम रीवा से कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत निर्मित दुकानों का स्थल अनुसार विवरण निग्नानुसार हैः-

क्र.	निविदा क्रमांक	दु./का.ई क्रमांक	क्षेत्रफल (वर्गफिट में)	निर्धारित राशि प्रति दुकान	लीजरेन्ट वार्षिक	श्रेणी	निर्धारित पंजीयन राशि (प्रतिभूति राशि)
दुकानें.							
1. गोल क्वॉटर दुकान (भूतल)							
1.	2025_UAD_450313_1	5	188.30	₹17,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	GEN.	₹42,500.00
2.	2025_UAD_450314_1	6	188.30	₹17,00,000.00		GEN.	₹42,500.00
3.	2025_UAD_450315_1	13	188.30	₹17,00,000.00		S.C.	₹42,500.00
4.	2025_UAD_450316_1	14	188.30	₹17,00,000.00		S.T.	₹42,500.00
5.	2025_UAD_450317_1	15	188.30	₹17,00,000.00		OBC.	₹42,500.00
6.	2025_UAD_450318_1	16	188.30	₹17,00,000.00		U.R. Widowa	₹42,500.00
1. गोल क्वॉटर दुकान (प्रथम तल)							
1.	2025_UAD_450319_1	7	188.30	₹13,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	GEN.	₹32,500.00
2.	2025_UAD_450321_1	8	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
3.	2025_UAD_450323_1	9	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
4.	2025_UAD_450325_1	10	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
5.	2025_UAD_450326_1	11	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
6.	2025_UAD_450327_1	12	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
7.	2025_UAD_450328_1	19	188.30	₹13,00,000.00		S.C.	₹32,500.00
8.	2025_UAD_450329_1	20	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
9.	2025_UAD_450332_1	21	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
10.	2025_UAD_450334_1	22	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
11.	2025_UAD_450335_1	23	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
12.	2025_UAD_450336_1	24	188.30	₹13,00,000.00		GEN.	₹32,500.00
3. एस.ए.एफ साईट दुकान (भूतल)							
1.	2025_UAD_450337_1	3	188.30	₹16,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	GEN.	₹40,000.00
2.	2025_UAD_450338_1	4	188.30	₹16,00,000.00		GEN.	₹40,000.00
3.	2025_UAD_450341_1	5	188.30	₹16,00,000.00		GEN.	₹40,000.00
4.	2025_UAD_450342_1	6	188.30	₹16,00,000.00		GEN.	₹40,000.00
5.	2025_UAD_450343_1	13	188.30	₹16,00,000.00		S.C.	₹40,000.00
6.	2025_UAD_450345_1	14	188.30	₹16,00,000.00		S.T.	₹40,000.00
7.	2025_UAD_450346_1	15	188.30	₹16,00,000.00		O.B.C.	₹40,000.00
8.	2025_UAD_450347_1	16	188.30	₹16,00,000.00		U.R. Widowa	₹40,000.00
9.	2025_UAD_450348_1	17	188.30	₹16,00,000.00		GEN.	₹40,000.00
10.	2025_UAD_450349_1	18	188.30	₹16,00,000.00		GEN.	₹40,000.00
4. एस.ए.एफ. साईट दुकान (प्रथम तल)							
1.	2025_UAD_450350_1	7	188.30	₹12,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	GEN.	₹30,000.00
2.	2025_UAD_450351_1	8	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
3.	2025_UAD_450352_1	9	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
4.	2025_UAD_450354_1	10	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
5.	2025_UAD_450355_1	11	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
6.	2025_UAD_450357_1	12	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
7.	2025_UAD_450358_1	19	188.30	₹12,00,000.00		S.C.	₹30,000.00
8.	2025_UAD_450359_1	20	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
9.	2025_UAD_450360_1	21	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
10.	2025_UAD_450361_1	22	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
11.	2025_UAD_450362_1	23	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
12.	2025_UAD_450363_1	24	188.30	₹12,00,000.00		GEN.	₹30,000.00
कार्यालय इकाई							
1. गोल क्वॉटर दुकान (द्वितीयतल)							
1.	2025_UAD_450364_1	4	1069.97	₹14,00,000.00	निविदा में प्राप्त प्रीमियम के मूल्य का प्रथम 10 वर्ष हेतु 0.5% तत्पश्चात् अगले 20 वर्षों के लिए 2.00% होगा।	GEN.	₹35,000.00

कार्यपालन यंत्री/नोडल अधिकारी
प्रधानमंत्री आवास योजना
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

देशव्यापी एसआईआर, पारदर्शिता जरूरी

संपादकीय

यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कि अभारतीय नागरिक फर्जी प्रमाण पत्रों अथवा गलत जानकारी के आधार पर भारतीय नागरिक होने के पहचान पत्र हासिल कर लें और अंतत मतदाता भी बन जाएं। ऐसे लोग केवल भारतीय लोकतंत्र के साथ छल करने वाले ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी हो सकते हैं।

यह अच्छा है कि चुनाव आयोग बिहार के बाद देश भर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त कर रहा है। चुनाव आयोग की ओर से मिले संकेतों के अनुसार वह अगले माह से मतदाता सूचियों के सत्यापन का देशव्यापी अभियान चला सकता है।

जो भी हो, आवश्यकता इस बात की है कि यह अभियान प्रभावी ढंग से चलाया जाए, भले ही इसमें कुछ विलंब हो। बिहार के अनुभव ने इस आवश्यकता पर और अधिक बल दिया है कि पूरे देश में मतदाता सूचियों का सत्यापन होना चाहिए। सच तो यह है कि यह कार्य एक निश्चित अंतराल के बाद होते ही रहना चाहिए।

यह ठीक नहीं कि बिहार में 2003 के बाद अब जाकर मतदाता सूची के सत्यापन करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकी। चुनाव आयोग को देशव्यापी एसआइआर करते समय इसके लिए भी तैयार रहना होगा कि उसे विपक्षी दलों और साथ ही स्वयं को लोकतंत्र का स्वयंभू पैरोकार बताने वाले लोगों के विरोध और दुष्प्रचार का सामना करना पड़ सकता है।

इसका अंदेशा इसलिए है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बिहार में मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया को हरी झंडी दिखाए जाने के बावजूद विपक्षी दल अपने बेजा विरोध से बाज नहीं आ रहे हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी मतदाता सूची के सत्यापन की संभावित प्रक्रिया के खिलाफ खड़ी हो गई हैं।

इस राज्य में चुनाव आयोग को एसआइआर की प्रक्रिया आगे बढ़ाने में सत्तारूढ़ दल के असहयोग के साथ अन्य चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। एक बड़ी चुनौती उन दस्तावेजों के सत्यापन की हो सकती है, जिनके आधार पर कोई अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए दस्तावेजों में आधार को भी शामिल कर लिया है और यह किसी से छिपा नहीं कि बंगाल में सर्वाधिक नकली अथवा फर्जी दस्तावेजों के सहारे आधार से लैस लोगों की संख्या सबसे अधिक होने की आशंका है।

यह कोई हैरानी की बात नहीं कि बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए लोगों ने मतदाता पहचान पत्र के साथ आधार और अन्य अनेक वे दस्तावेज हासिल कर लिए हैं, जिनसे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है और साथ ही खुद को भारतीय नागरिक बताया जा सकता है।

यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कि अभारतीय नागरिक फर्जी प्रमाण पत्रों अथवा गलत जानकारी के आधार पर भारतीय नागरिक होने के पहचान पत्र हासिल कर लें और अंतत~ मतदाता भी बन जाएं।

ऐसे लोग केवल भारतीय लोकतंत्र के साथ

लोकतंत्रः दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था

डॉ. लोकेश कुमार

आज विश्व में लोकतंत्र सबसे अच्छी शासन व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति को शासन में भागीदारी करने का मौका मिलता है। अन्तरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस हर वर्ष 15 सितम्बर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसकी स्थापना 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी। इसका मुख्य लक्ष्य लोकतंत्र को मजबूत और सुदृढ़ बनाना है। लोकतंत्र का तात्पर्य जनता के शासन से माना जाता है, जिसमें जनता शासन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी निभाती है।

अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र ' जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए शासन है।' उन्होंने लोकतंत्र को केवल एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे शासन के रूप देखा जो समानता और स्वतंत्रता के आदर्शों पर आधारित है । ब्रिटिश राजनीतिक दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट मिल का मानना था कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था ही सबसे अच्छी है। लेकिन, सच्चा प्रजातंत्र तो वह है, जिसमें सभी नागरिक प्रत्यक्ष रीति से शासन कार्य में भाग लेते हैं, किन्तु यह प्रयोग संभव नहीं है। वर्तमान दौर में बड़े-बड़े देशों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र चलना संभव नहीं है। लोकतंत्र में सर्वोत्म शासन अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र या प्रतिनिधिमूलक शासन ही होना चाहिए । यद्यपि यह लोकतंत्र व्यवस्था पूर्णतया दोषमुक्त नहीं है, लेकिन फिर भी उसको अच्छा बनाया जा सकता है।

लोकतंत्र का जन्म यूनान में हुआ है। ईसा से लगभग सात-आठ सौ वर्ष पूर्व यूनानी सभ्यता विकसित हो चुकी थी। यहां सैकड़ों जनसमूह भिन्न-भिन्न घाटियों में जीवन व्यतीत करते थे। ऐसे जनसमूहों के प्रदेशों को नगर राज्य कहा जाता था। यहां के लोगों ने राजनीतिक संगठन कायम किए। नगर राज्य में ग्रामीण एक-दूसरे से पृथक रहकर भी सामुदायिक जीवन व्यतीत करते थे। इनके सामुदायिक हित भी समान रूप से थे। यूनान के एथेंस में प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था थी। यहां के सभी नागरिक एक्लीजिया नामक परिषद में इकट्ठे होकर नगर में शासन व्यवस्था चलाने पर विचार-विमर्श किया करते थे और वहां के सभी नागरिकों को शासन में भागीदारी निभाने का बारी-बारी से मौका मिलता था।

461-629 ई.पू. में एथेंस की प्रत्यक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था उन्नति के शिखर पर विराजमान थी। इस नगर का भू-भाग लगभग 1000 वर्ग मील था। इसकी जनसंख्या लगभग 3-4 लाख के मध्य थी। प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. रोमिला थापर कहती है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के गुण वैदिक काल और 600 ईसवी पूर्व में ही मिलने लगे थे। वर्तमान दौर की संसद की तरह प्राचीन समय में परिषदों का निर्माण किया गया था, जो वर्तमान संसदीय व्यवस्था मिलता -जुलता है। ऐसा अनुमान है कि वैदिककालीन 'सभा ' जन (कबीला) के वृद्ध लोगों की परिषद रही होगी और समिति सारे जन की एक सामान्य परिषद होगी। जिस कबिला में निर्वाचित राजा नहीं होता था, ये परिषदें, सरकार के कर्तव्यों और अधिकारों का निर्वहन करती थीं।

लगभग 600 ई.पू. हिमालय की तलहटियों में, उनके कुछ दक्षिण और आधुनिक पंजाब में प्रजातंत्र राज्य बसे हुए थे, जबकि भारत के राजतंत्र गंगा के मैदानों में केन्द्रित थे। राजतंत्रों की अपेक्षा प्रजातंत्र व्यक्तिवादी और स्वतंत्र मत के कम विरोधी थे और आगे चलकर महत्वपूर्ण सामाजिक और धार्मिक रूढ़िमुक्तता का रूप धारण करने वाले दो सम्प्रदायों के नेता प्रजातंत्रों में ही उत्पन्न हुए थे। बुद्ध का सम्बंध शाक्य जन और जैन मत के संस्थापक महावीर का यांत्रिक जन से था। जब भारत देश को स्वतंत्रता मिली सभी ने लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया।

भारत में 75 साल से लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था बनी हुई है। लेकिन दुर्भाग्य है कि हाल ही के वर्षों में हमारे दो पड़ोसी मुल्कों में लोकतांत्रिक सरकारों के खिलाफ कुछ युवाओं ने हिंसात्मक आन्दोलन करके सरकारों को बेदखल कर दिया। राजनीतिक चिंतक डॉ. धर्मवीर चंदेल कहते हैं कि दुनिया में लोकतंत्र ही अच्छी शासन व्यवस्था है, लेकिन चुनी हुई सरकारों को जनता के हितों के लिए काम करना चाहिए। बहरहाल,यह कह सकते हैं कि लोकतांत्रिक सरकारें भी अपने देश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक खाई पर लगाम लगाने का प्रयास करें नहीं तो आज का युवा चुनी हुई सरकारों के खिलाफ हो सकता है। दो राय नहीं कि लोकतांत्रिक व्यवस्था दुनिया की सबसे अच्छी शासन व्यवस्था साबित होती रही है।

> **कर दरों को सोच-समझकर युक्तिसंगत बनाकर और व्यापक संरचनात्मक एवं प्रक्रियागत सुधारों के माध्यम से घरेलू क्रय शक्ति बढ़ाकर जीएसटी 2.0 उपभोग औद्योगिक विकास और समग्र आर्थिकी को मजबूती से बढ़ावा देगा। यह समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक निर्णायक उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करेगा जो वर्तमान भू-राजनीतिक परिवेश में आर्थिक गति को बढ़ावा देने में सहायक है।**

कर प्रणाली को सरल बनाने की पहल आर्थिक प्रगति के लिए ऐतिहासिक कदम

प्रो. गौरव वल्लभ।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का सफर परिवर्तनकारी रहा है। 2017 में शुरू हुई इस व्यवस्था को आलोचकों ने 'गब्बर सिंह टैक्स' कहकर खारिज करने का भी प्रयास किया और इस पर नागरिकों तथा व्यवसायों, दोनों पर बोझ डालने का आरोप लगाया। वास्तव में असली 'गब्बर सिंह टैक्स' जीएसटी से पहले की अव्यवस्थित व्यवस्था थी। उत्पाद शुल्क, वैट और सेवा करों के एक खंडित जाल ने अकुशलता और बढ़ी हुई लागतों को जन्म दिया था। जीएसटी लागू होने के पहले ट्रक राज्य की सीमाओं पर खड़े रहते थे, छोटी कंपनियां कई फाइलिंग में ही उलझी रहती थीं और उपभोक्ताओं को इसकी कीमत चुकानी पड़ती थी।

जीएसटी ने इसकी जगह देश में एक एकीकृत कर प्रणाली को संभव बनाया, जिससे आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स कम हुए और एक अधिक तर्कसंगत ढांचा तैयार हुआ। अब जीएसटी 2.0 के साथ भारत ने एक निर्णायक कदम आगे बढ़ाया है, टैक्स स्लैब को सुव्यवस्थित किया है और दरों में कटौती की है। शुरुआत में जीएसटी में चार स्लैब (5, 12, 18, 28 प्रतिशत) थे। ऐसा उन राज्यों के बीच आम सहमति बनाने के लिए किया गया था, जो नई व्यवस्था के तहत होने वाले संभावित राजस्व नुकसान को वहन करने के लिए तैयार नहीं थे।

इस समझौते ने भारत को जीएसटी युग में प्रवेश करने में मदद की, लेकिन इसने जटिलता और विवादों को भी जन्म दिया, जो जीएसटी की सरलता के मूल दर्शन के विपरीत थे। जीएसटी 2.0 एक स्वाभाविक सुधार का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें दो मुख्य स्लैब (5 और 18 प्रतिशत) और विलासिता तथा अहितकर वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की कर दर की व्यवस्था की गई है।

यह सुधार भी सही समय पर किया गया है। वैश्विक अनिश्चितताएं और टैरिफ युद्ध व्यवसायों के लिए बाधाएं पैदा कर रहे हैं। अनुपालन बोझ एवं कार्यशील पूंजी की रुकावटों को कम करके और बड़े पैमाने पर उपभोग तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों में टैक्स दरों को आसान बनाकर जीएसटी 2.0 आपूर्ति-पक्ष को ठीक उसी समय सहायता प्रदान करता है जब फर्मों को इसकी आवश्यकता है। अन्य संरचनात्मक सुधारों के साथ जीएसटी 2.0 वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत को एक प्रतिस्पर्धी और स्थिर उत्पादन आधार के रूप में स्थापित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं और बड़े पैमाने पर उपभोग की जाने वाली वस्तुएं पांच प्रतिशत, जबकि प्रमुख औद्योगिक इनपुट 18 प्रतिशत कर के दायरे में आ गई हैं, जिससे घरों और फर्मों, दोनों की लागत कम होगी। दूध, पनीर और चपाती जैसी मुख्य वस्तुओं के साथ-साथ 33 से अधिक जीवनरक्षक दवाओं को पूरी तरह से कर मुक्त कर दिया गया है। आटोमोबाइल, सीमेंट और इलेक्ट्रानिक्स पर करों में भारी कटौती की गई, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

त्योहारी सीजन से पहले इसे लागू करने से घरेलू खर्च पर भी अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित होता है। एसबीआइ रिसर्च का अनुमान है कि औसत प्रभावी जीएसटी दर अब शुरुआत के 14.4 प्रतिशत से घटकर लगभग 9.5 प्रतिशत हो गई है। जीएसटी 2.0 के तहत जिन 453 वस्तुओं की दरों में बदलाव किया गया है, उनमें से 413 (91 प्रतिशत) वस्तुओं के कर में कमी आई है, और लगभग 295 वस्तुओं पर कर दर पहले के 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत या शून्य हो गई है, जो परिवारों को राहत देने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

जीएसटी सुधारों के कारण कुल अतिरिक्त सकल मांग 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। समवर्ती आयकर सुधारों के साथ कुल अतिरिक्त मांग 5.31 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है, जो सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 1.6 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इससे संभावित रूप से वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 7 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

दरों में कटौती के अलावा जीएसटी 2.0 कर प्रणाली के काम करने के तरीके को बेहतर बनाने पर भी केंद्रित है। पंजीकरण को स्वचालित बना दिया गया है, रिफंड की प्रक्रिया तेज हो गई है और अस्थायी इनपुट क्रेडिट की अनुमति दी गई है, जिससे उद्यमों के लिए कार्यशील पूंजी पर दबाव घटा है। उल्टे शुल्क ढांचे जैसे लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों का भी समाधान किया गया है, जिससे उन क्षेत्रों को राहत मिली है, जो पहले लागत संबंधी नुकसान झेल रहे थे। एमएसएमई के लिए कागजी कार्रवाई का बोझ घटा है। सुधार एक सतत प्रक्रिया है। जीएसटी स्वयं 2017 से पहले की खंडित प्रणाली की तुलना में एक सुधार था और जीएसटी 2.0 सरलता तथा निष्पक्षता की ओर एक और कदम है। जैसे-जैसे इसका अनुपालन होगा, नीतिगत सुधार और भी बेहतर हो सकेंगे। जीएसटी 2.0 भारत में एक सरलीकृत, अधिक निष्पक्ष और विकासोन्मुखी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

कर दरों को सोच-समझकर युक्तिसंगत बनाकर और व्यापक संरचनात्मक एवं प्रक्रियागत सुधारों के माध्यम से घरेलू क्रय शक्ति बढ़ाकर जीएसटी 2.0 उपभोग, औद्योगिक विकास और समग्र आर्थिकी को मजबूती से बढ़ावा देगा। यह समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के लिए एक निर्णायक उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करेगा, जो वर्तमान भू-राजनीतिक परिवेश में आर्थिक गति को बढ़ावा देने में सहायक है।

हिंदी के लिए कब तक दो दबाना पड़ेगा

(विजय कुमार शर्मा-विभूति फीचर्स)

भारत की पहचान उसकी भाषाओं से है। यहाँ सैकड़ों बोलियाँ और दर्जनों भाषाएँ हैं, परंतु सबसे व्यापक और जीवंत भाषा है हिंदी। आज हिंदी न केवल उत्तर भारत बल्कि देश के कोनेङ्कोने में समझी और बोली जाती है। फिर भी आश्चर्य यह है कि जब हम किसी बैंक, बीमा, मोबाइल कंपनी या हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करते हैं तो सबसे पहले यह सुनाई देता है- फॉर इंग्लिश प्रैस 1ज हिंदी के लिए 2 दबाएँ। यह सवाल केवल तकनीकी प्रक्रिया का नहीं, बल्कि मानसिकता का है। अंग्रेज़ी को डिफ़ॉल्ट मान लेने और हिंदी को विकल्प बना देने की परंपरा इस देश की बहुसंख्यक जनता की उपेक्षा है। भारत में अधिकांश उपभोक्ता हिंदी भाषी हैं, परंतु उन्हें अपनी ही मातृभाषा में सेवा प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना पड़ता है। यह व्यवस्था उस सोच को दर्शाती है जिसमें अंग्रेज़ी को आधुनिकता का प्रतीक और हिंदी को गाँव-देहात की भाषा मान लिया गया। सरकार की ओर से इस स्थिति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। उमंग ऐप, डिजिलॉकर, रेलवे टिकटिंग ऐप और कई सरकारी पोर्टल अब हिंदी को डिफ़ॉल्ट या समानांतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने लगे हैं। परंतु निजी कंपनियाँ अब भी अंग्रेज़ी को सर्वोपरि रखती हैं। कारण स्पष्ट है - कॉर्पोरेट जगत की मानसिकता और अंग्रेज़ी को लेकर बनी झूठी श्रेष्ठता की धारणा। हिंदी को सिर्फ प्रैस 2 का विकल्प मानकर छोड़ देना हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और उपभोक्ता अधिकारों दोनों के साथ अन्याय है। यदि कोई ग्राहक हिंदी में सहज है तो उसे हर बार यह याद क्यों दिलाया जाए कि उसकी भाषा पहली नहीं, दूसरी है यह व्यवस्था बदलनी ही होगी।

आज आवश्यकता है कि हिंदी को केवल विकल्प नहीं, बल्कि प्राथमिकता बनाया जाए। कंपनियाँ उपभोक्ताओं को वही भाषा दें जो उनके दिलङ्कदिमाग की भाषा है। जब देश की आत्मा हिंदी में धड़कती है, तो ग्राहक सेवा की धड़कन भी हिंदी में ही सुनाई देनी चाहिए। यही उपभोक्ता अधिकार है, यही सांस्कृतिक सम्मान है। अब समय है इस सवाल को तीखे स्वर में उठाने का कि आखिर हिंदी के लिए कब तक दो दबाना पड़ेगा।

नरेन्द्र मोदी और कार्यकर्ता निर्माण : संगठन की असली ताकत

> **संगठन की शक्ति वहीं खिलती है, जहाँ कार्यकर्ता तपस्वी बनकर खड़े होते हैं ।ङ्कयही दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा और उनके सामाजिक-सांगठनिक दृष्टिकोण का मूल मंत्र रहा है। नरेन्द्र मोदी ने हमेशा कार्यकर्ताओं को संगठन का हृदय माना और उन्हें तैयार करना, प्रशिक्षित करना और सशक्त बनाना अपने प्राथमिक कार्यों में रखा। उनका मानना था कि संगठन केवल ढाँचा नहीं है, बल्कि उस ढांचे में कार्यकर्ताओं की क्षमता, अनुशासन और समर्पण ही असली ताकत हैं।**

बीएल संतोष

नरेन्द्र मोदी आरएसएस के प्रचारक बने 1970 के शुरुआती दौर में। 1977 में आपातकाल के बाद, जब वे विभाग प्रचारक के रूप में एक कुशल संगठनकर्ता बनकर उभरे, तब उनकी कार्यशैली का मुख्य आधार कार्यकर्ता निर्माण रहा। 1980 के दशक में गुजरात में संगठन का विस्तार बहुत सीमित था। उस समय किसी एक तालुका में शाखा स्थापित करना भी बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। लेकिन युवा नरेन्द्र मोदी की दृष्टि अलग थी। उनका मानना था-हर गाँव में शाखा होनी चाहिए। इसके लिए वह हर शाखा की जिम्मेदारी एक कार्यकर्ता को देते और समय-समय पर उसकी प्रगति की जानकारी लेते। कौन मुख्य शिक्षक है, क्या गतिविधियाँ हुईं, कौन शाखा में अनुपस्थित रहा और क्यों-इन सब विवरणों पर बारीकी से ध्यान रखा जाता।

संघ के 60 वर्ष पूरे होने पर 1985 में कर्णावती (अहमदाबाद) में एक विशाल शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में लगभग 5000 कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। शिविर की पूर्व तैयारी में मोदी गाँव-गाँव जाकर युवाओं से संपर्क करते और उन्हें गणवेश खरीदने को प्रेरित करते। परिणामस्वरूप, सैकड़ों नए युवा न केवल शिविर में पहुँचे बल्कि संगठन से स्थायी रूप से जुड़ भी गए। इसने गुजरात संघ में एक नई ऊर्जा डालने का काम किया, और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के निर्माण की भी शुरुआत हुई।

मोदी कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध और व्यवस्थित रूप से काम करना सिखाते थे। उदाहरण के लिए, 1980 के दशक की शुरुआत में राजकोट के पी.डी. मालवीय कॉलेज में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में भाग लेने वाले कार्यकर्ता अभी भी याद करते हैं कि उन्होंने स्थानीय लोगों से सर्वे कर संगठन की छवि समझने और परिणामों को सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने का नया प्रयोग कराया। यह केवल सीख ही नहीं, बल्कि संगठन को मज़बूत बनाने के लिए आधुनिक तरीकों और योजनाबद्ध सोच का संदेश भी था।

नरेन्द्र मोदी कार्यकर्ताओं को आचरण और शिष्टाचार के व्यावहारिक उदाहरणों से प्रेरित करते थे। छोटी आदतें, जैसे सुव्यवस्थित रहना, दरवाज़ा खटखटाकर प्रवेश करना, घरवालों का आत्मीयता से कुशल-क्षेम पूछना-यह सब उन्हें जिम्मेदार और सम्मानित कार्यकर्ता बनाते थे। उनके प्रशिक्षण से कार्यकर्ता न केवल संगठन के सदस्य बने, बल्कि समाज में आदर्श प्रतिनिधि भी बने। मोदी कठिन परिस्थितियों एवं दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के समय कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को व्यक्तिगत नैतिक सहयोग दिया करते थे, जिसे अनेक कार्यकर्ता आज भी उन्हें कृतज्ञता के साथ याद करते हैं।

1987 में भाजपा गुजरात के संगठन मंत्री बनकर उन्होंने यही कार्यकर्ता निर्माण राजनीतिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के लिए भी करना शुरू किया। 1980 के दशक में गुजरात भाजपा के संगठन पर्व के माध्यम से हजारों नए कार्यकर्ता संगठन से जुड़े।

अनुशासन और जवाबदेही मोदी की कार्यशैली का मूल था। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सबक दिया कि अनुशासन, समर्पण और जवाबदेही संगठन की मजबूती की नींव हैं। वे खुद बैठकों में एक मिनट भी देर नहीं करते थे और अगर कोई देर से आता, तो उन्हें बाहर रहकर बैठक में भाग लेने को कहते थे।

मोदी ने संगठन में सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति दोनों में नई दिशा दी। पदाधिकारियों के चयन में सामाजिक संतुलन सुनिश्चित की और 1987 के अहमदाबाद नगर निगम चुनावों में बूथ जीतो रणनीति से कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय और लक्ष्य केंद्रित बनाया।

साथ ही मोदी व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को आत्मविश्वास और क्षमता बढ़ाते थे। पहली बार पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ता को उन्होंने भरोसा दिलाया और बूथ संगठन, सदस्यता विवरण और सामूहिकता के महत्व की व्याख्या विस्तार से करते थे। परिणामस्वरूप केवल कुछ महीनों में लाखों नए सदस्य जुड़े और मजबूत कार्यकर्ता खड़े हुए।। भाजपा संगठन मंत्री रहते हुए उन्होंने टिफ़िन बैठक जैसी पहल से कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को संगठन से भावनात्मक रूप से जोड़ा। संगठन निर्माण में मोदी केवल ढाँचे और रणनीति तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संवेदनशील और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता बनने की शिक्षा दी। वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को कनिष्ठों के साथ सहयोग और जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। आलोचना पर संतुलित प्रतिक्रिया और प्रशंसा पर संयम, ये सब मोदी की कार्यकर्ता-निर्माण की मूल रणनीति का हिस्सा थे। नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण स्पष्ट था- संगठन की असली ताकत कार्यकर्ताओं में है। अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना से भरे ऐसे कार्यकर्ता किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हैं। यही कारण है कि आज संगठन केवल राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक चेतना बन चुका है। मोदी की कार्यकर्ता-निर्माण की यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए यह संदेश देती है कि यदि जड़ों को सींचा जाए, तो शाखाएँ अपने आप फलती-फूलती हैं और वृक्ष युगों तक अडिग खड़ा रहता है।

(लेखक भारतीय जानता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

नई दिल्ली में दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नई दिल्ली के पूसा स्थित भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार में 15 और 16 सितंबर को दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन -'रबी अभियान 2025' का आयोजन होगा। राष्ट्रीय स्तर के इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के कृषि विकास एवं कल्याण मंत्री श्री राम विचार नेताम शामिल होंगे। मंत्री श्री नेताम इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में किसानों के हित में लिए गए निर्णयों, नीतियों और विकास कार्यों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी देगें।

इस सम्मेलन में देशभर के कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति-निर्धारकों और राज्यों के प्रतिनिधी शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में होने वाले इस आयोजन में राज्यों के कृषि मंत्री, आईसीएआर के महानिदेशक, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव का गुजरात दौरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव 15 सितम्बर से गुजरात प्रवास पर रहेंगे ।इस दौरान वे शिक्षा और विज्ञान से जुड़े प्रमुख संस्थानों का दौरा करेंगे और अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार 15 सितम्बर को श्री यादव दिल्ली होते हुए अहमदाबाद पहुंचेंगे और वहीं से भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (ब्क्ठ्ठस्त्र) का भ्रमण करेंगे। 16 सितम्बर को वे विजिटर ऑफ़ शिक्षा समीक्षा केंद्र और स्कूल का दौरा करेंगे तथा राज्य के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। 17 सितम्बर को वे अहमदाबाद से रायपुर वापस लौटेंगे। इस दौरे का उद्देश्य गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों एवं तकनीकों का अध्ययन करना और उन्हें छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में लागू करने की संभावनाओं पर विचार करना है।

स्कूल के फर्नीचर बेचने वाले प्राचार्य पर जिला प्रशासन सख्त,निलंबन का प्रस्ताव शासन को प्रेषित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्कूल के फर्नीचर को निजी स्कूलों को विक्रय करने के मामले को बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी ने गंभीरतापूर्वक लेते हुए जांच में तथ्य पाए जाने पर शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टुण्डरा के प्रभारी प्राचार्य रमेश बंजारे के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये। निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रभारी प्राचार्य रमेश बंजारे पर निलंबन की कार्यवाही हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार टुण्डरा नगरवासियो द्वारा शासकीय शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टुण्डरा के प्रभारी प्राचार्य रमेश बंजारे एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की सहमति से स्कूल के फर्नीचर को निजी विद्यालयों को बेच देने के सम्बन्ध में शिकायत13 सितम्बर 2025 शनिवार को प्राप्त हुई। शिकायत की जांच हेतु टीम गठित किया गया जिसमें तहसीलदार टुण्डरा,विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कसडोल, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कसडोल विकासखंड स्रोत समन्वयक संकुल समन्वयक के द्वारा शनिवार को ही स्थल पर जाकर मौक़ा जांच किया गया।

जांच में पाया गया कि 8 सितम्बर 2025 को शासकीय शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टुण्डरा के शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के पदाधिकारियों द्वारा पुराना जर्ज़र भवन को डिसमेन्टल कराए जाने हेतु वहां रखे कबाड़ एवं अनुपयोगी सामान को बेचने एवं प्राप्त राशि को शाला विकास समिति की खाते में जमा करने का निर्णय लिया गया। शाला के प्रभारी प्राचार्य बंजारे द्वारा उक्त निर्णय के आधार पर टुण्डरा नगर के ज्ञान अमृत विद्यालय को 67 नग टेबल -चेयर एवं धविका पब्लिक स्कूल शिवरीनारायण को 40 नग टेबल -चेयर को कबाड़ मानकर उपयोगी फर्नीचर को बेच दिया गया। दोनों विद्यालय को बेचे गये फर्नीचर को शनिवार को लगभग 3 बजे शासकीय शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टुण्डरा के गेट पर नगरवासियों द्वारा रोका गया जिस पर भौतिक सत्यपन कराया गया। सत्यापन में शिकायत की सत्यता की पुष्टि हुई ।जांच दल द्वारा शिकायतकर्ताओ के समक्ष 3 पिकअप में लाए गए फर्नीचर की शासकीय शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय टुण्डरा के एक क़क्ष में सुरक्षित सीलबंद किया गया एवं पंचनामा तैयार कर ताले की चाबी जांच दल द्वारा अपने कब्जे में लिया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार का बड़ा निर्णय- शासकीय महाविद्यालयों में 700 पदों पर भर्ती

625 सहायक प्राध्यापक, 25 क्रीड़ा अधिकारी और 50 ग्रंथपाल के पदों पर भर्ती हेतु वित्त विभाग की मिली अनुमति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उच्च शिक्षा में विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती हेतु बड़ा निर्णय लिया गया है जिससे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी और शासकीय महाविद्यालयों में रिक्त पदों की कमी को दूर किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार तथा उच्च शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर वित्त विभाग ने 700 पदों पर भर्ती की अनुमति प्रदान की है। यह आदेश प्रदेश के युवाओं के लिए आशा और अवसर की नई किरण लेकर आया है। भर्ती हेतु स्वीकृत पदों में सहायक प्राध्यापक के 625 पद शामिल किए गए हैं। इन पदों पर भर्ती होने से महाविद्यालयों में पढ़ाई की गुणवत्ता और शोध कार्यों में अभूतपूर्व सुधार देखने को मिलेगा। इसी क्रम में क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी गई है। इन पदों की नियुक्ति से महाविद्यालयों में खेलकूद और शारीरिक शिक्षा की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त ग्रंथपाल के 50 पदों पर भी भर्ती की स्वीकृति दी गई है। ग्रंथपालों की नियुक्ति से पुस्तकालयों का बेहतर संचालन होगा और विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री अधिक व्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सकेगी। यह निर्णय प्रदेश के युवाओं को रोज़गार के नए अवसर प्रदान करेगा। साथ ही, उच्च शिक्षा संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों और अधिकारियों की संख्या बढ़ने से विद्यार्थियों को बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार का यह कदम महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण निर्मित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे शिक्षण-अध्यापन का स्तर उन्नत होगा और संकायों की मजबूती सुनिश्चित होगी।

प्रत्येक मामले के पीछे एक मानवीय कहानी होती है संघर्ष की, आशा की, और न्यायपालिका में विश्वास की: मुख्य न्यायाधीश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा बस्तर संभाग के न्यायिक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संभागीय न्यायिक सेमिनार का आयोजन प्रेरणा हॉल, कलेक्टरेट भवन, जगदलपुर में किया गया। इस सेमिनार में बस्तर संभाग के चार जिलों जगदलपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव के 43 न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी ने वर्चुअल माध्यम से सत्र का उद्घाटन किया। सेमिनार में श्री अमितेंद्र किशोर प्रसाद, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला कांकेर की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य न्यायाधीश ने बस्तर संभाग के न्यायिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में न्यायपालिका से अपेक्षाएँ बहुत अधिक हैं। लोग हमसे अत्यधिक आशा रखते हैं। यह सेमिनार केवल सीखने का मंच ही नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और विधि के शासन के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि भी है।

मुख्य न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायिक शिक्षा एक बार की प्रक्रिया नहीं है; बल्कि यह सतत प्रक्रिया है। आज के दौर में जहाँ कानून तेजी से विकसित हो रहे हैं और समाज नई चुनौतियों का सामना कर रहा है, वहाँ न्याय के संरक्षक होने के नाते हमें निरंतर अपने ज्ञान को समृद्ध करना और अपनी न्यायिक क्षमता को धार देना अनिवार्य है। सतत प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है कि हम अपने संवैधानिक दायित्वों को दक्षता, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभा सकें।

मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र अपने विशिष्ट सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य के साथ न्यायपालिका के लिए चुनौतियाँ और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है। हमारा दायित्व है कि न्याय समाज के हर कोने तक पहुँचे, विशेष रूप से वंचित और कमजोर वर्गों तक। यहाँ के न्यायिक अधिकारियों की भूमिका जनता के विश्वास को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है कि न्याय न केवल किया जाए, बल्कि होता हुआ भी दिखाई दे।

मुख्य न्यायाधीश ने सभी न्यायिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सहानुभूति, धैर्य और निष्पक्षता के साथ न्यायिक कार्य करें। याद रखें, प्रत्येक मामले के पीछे एक मानवीय कहानी होती है संघर्ष, आशा और न्यायपालिका में विश्वास की। हमें सदैव यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि न्याय समय पर, पारदर्शी और तर्कपूर्ण तरीके से दिया जाए। अंत में मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस प्रकार के सेमिनार समकालीन विधिक मुद्दों पर विचार-विमर्श, अनुभवों के आदान-प्रदान और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाने का मूल्यवान अवसर प्रदान करते हैं। इस सेमिनार में हुई चर्चाएँ न्यायिक अधिकारियों की दक्षता को बढ़ाएँगी और उन्हें न्यायिक कार्य की जटिलताओं को और अधिक कुशलता से संभालने योग्य बनाएँगी। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रभारी रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे। कांकेर, कोंडागांव, जगदलपुर एवं दंतेवाड़ा के जिलों के न्यायिक अधिकारी उपस्थित थे। स्वागत भाषण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जगदलपुर द्वारा दिया गया, परिचयात्मक उद्बोधन छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक ने तथा धन्यवाद ज्ञापन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जगदलपुर द्वारा किया गया।

सेमिनार में बस्तर संभाग के कुल 43 न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों द्वारा परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामलों की कार्यवाही का अवलोकन तथा इनके निपटारे हेतु नवीन उपकरण और तकनीकें, मध्यस्थता में रेफरल जज की भूमिका, डिक्री का क्रियान्वयन गिरफ्तारी एवं सिविल कारागृह में निरुद्धि तथा संपत्ति की कुर्की द्वारा समयबद्ध और प्रभावी प्रवर्तन हेतु रणनीतियाँ, सलाखों के पीछे या स्वतंत्र रिमांड और जमानत के प्रावधानों का गहन विश्लेषण, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों के विशेष संदर्भ के संबंध में प्रस्तुतिकरण दिए गए।

एक ही जमीन पर दर्ज परिवारों को अलग-अलग मिलेगा पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ

छत्तीगसढ़ में 25 लाख 47 हजार किसान परिवार हो रहे हैं लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार यदि एक ही भूमि खाता (सिंगल लैण्डहोल्डिंग) में कई किसान परिवारों के नाम दर्ज हैं, तब भी प्रत्येक पात्र परिवार को अलग-अलग प्रतिवर्ष 6000 रूपए तक का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा। बशर्ते वे योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार पात्र हो। प्रत्येक परिवार को न्यूनतम 6,000 रूपए वार्षिक की वित्तीय सहायता सीधे उनके खाते में उपलब्ध कराई जाएगी।

योजना की पात्रता शर्तों के तहत 'किसान परिवार' का अर्थ पति-पत्नी और अवयस्क बच्चों से है। यदि एक ही भूमि खाते से कई परिवार जुड़े हुए हैं, तो योजना का लाभ खाता संख्या से नहीं बल्कि परिवार की इकाई के आधार पर दिया जाएगा। इस प्रकार एक भूमि खाता साझा करने वाले अलग-अलग परिवारों को भी स्वतंत्र रूप से यह सहायता राशि प्राप्त होगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य देशभर के छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। राशि तीन समान किस्तों में दी जाती है, प्रत्येक किस्त 2,000 रूपए की होती है। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत फरवरी 2025 में 20वीं किश्त के रूप में राज्य के 25.47 लाख किसानों को 553 करोड़ 34 लाख रूपए की सम्मान निधि प्रदान की गई थी। इस योजना से देश के करोड़ों किसान परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। सम्मान निधि पात्र किसानों को ही प्राप्त हो इसके लिए पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ ही किसान सम्मान निधि की राशि सीधे पात्र किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी पात्र किसान परिवार इस योजना से वंचित न रहे, इसके लिए राज्यों और जिलों को नियमित रूप से पात्रता की जाँच कर लाभार्थियों को जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ सभी किसानों को नहीं मिलता। सरकार ने कुछ श्रेणियों को इस योजना से बाहर रखा है। इनमें सभी संस्थागत भूमि धारक, संवैधानिक पदों के पूर्व और वर्तमान धारक, सांसद, विधायक, मंत्री, महापौर और जिला पंचायत अध्यक्ष शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकार के मंत्रालयों व विभागों के अधिकारी-कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर) तथा 10,000 रुपये या उससे अधिक पेंशन पाने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं है। इसके अलावा आयकरदाता परिवार भी इस योजना के दायरे से बाहर है।

टाटीखारा प्राथमिक शाला में शिक्षकों की नियुक्ति से बच्चों की पढ़ाई में आया सुधार

मुयमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर शिक्षा गुणवाा में हो रहा उन्नयन

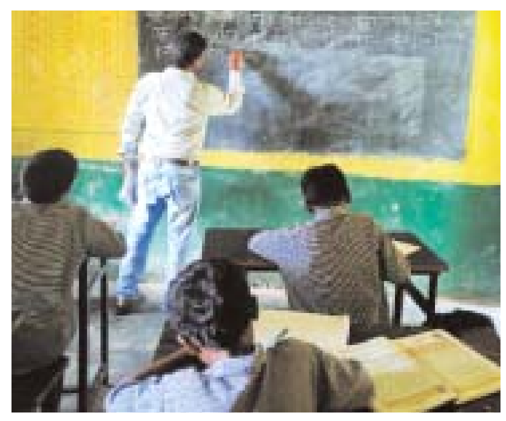

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर पढ़ाई उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा शिक्षक युक्तियुक्तकरण नीति के अंतर्गत लिए गए निर्णय का सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। सरगुजा जिले के सीतापुर विकासखंड के ढोढ़ागांव संकुल अंतर्गत प्राथमिक शाला टाटीखारा में अब बच्चों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलने लगी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल शिक्षा गुणवत्ता में सुधार लाने नीति बनाई गई। जिससे टाटीखारा स्कूल में दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इनमें सुखलाल सिंह और संततियुस तिग्गा शामिल हैं। इनकी नियुक्ति से पहले स्कूल में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

टाटीखारा गांव के अभिभावकों ने बताया कि पहले बच्चों की पढ़ाई को लेकर काफी कठिनाई होती थी। लेकिन अब नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं और बच्चों की उपस्थिति में भी वृद्धि देखी जा रही है। शिक्षक युक्तियुक्तकरण से शिक्षा व्यवस्था संतुलित हो रही है और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों को भी पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गांव के ग्रामीणजनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा और उन्हें भी बड़े शहरों के बच्चों की तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

युक्तियुक्तकरण के बाद ज्वाइनिंग नही देने वाले कोरबा के 4 शिक्षक निलंबित, कईयों का वेतन भी रोका गया

जिला, संभाग की समितियों में सुनवाई अनुसार हुई कार्यवाही

सभी शिक्षकों को जल्द से जल्द पदस्थापना विद्यालय में उपस्थित होने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिला में युक्तियुक्तकरण के बाद ज्वाइनिंग नहीं देने वाले 4 शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं युक्तियुक्तकरण के बाद आबंटित स्कूलों में ज्वाइनिंग नहीं करने वाले कई शिक्षकों को कारण बताओं नोटिस जारी कर उनका 2 महीने का वेतन भी रोका गया है। युक्तियुक्तकरण के बाद ज्वाइनिंग नहीं करने वाले इन शिक्षकों पर जिला एवं संभागीय स्तरीय समितियों में सुनवाई के बाद आवेदनों को अमान्य करने के बाद भी ज्वाइनिंग नहीं करने पर कार्यवाही की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी ने ऐसे सभी शिक्षकों को जल्द से जल्द आबंटित विद्यालयों में उपस्थिति दे कर बच्चों को पढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा ने बताया कि शासन द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण निर्देश के तहत कोरबा जिले के प्राथमिक शाला के 292 सहायक शिक्षक एवं 15 प्रधान पाठक तथा माध्यमिक शाला के 153 शिक्षक एवं प्रधान पाठक अतिशेष के रूप में चिन्हांकित हुए थे। युक्तियुक्तकरण निर्देश के अनुसार इन अतिशेष शिक्षकों को शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयो में पदस्थ किया जाना था। चूंकि कोरबा जिले के प्राथमिक शाला में एकल शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या अतिशेष शिक्षको की संख्या से ज्यादा होने के कारण जिला सारीय युक्तियुक्तकरण समिति के द्वारा दूरस्थ अंचल में स्थिति एवं लबे समय से शिक्षको की कमी वाले एकल शिक्षकीय एवं शिक्षक विहीन विद्यालयों में अतिशेष शिक्षको की पदस्थापना का निर्णय लिया गया। उक्त निर्णय के आधार पर अतिशेष शिक्षको की ओपन काउंसलिंग आयोजित करके पदस्थापना आदेश जारी किया गया। उन्होंने बताया कि पदस्थापना आदेश से असंतुष्ट शिक्षको के द्वारा जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया, जिसे समाधानकारक नहीं पाए जाने के कारण अमान्य किया गया। इसके पश्चात् संबंधित असंतुष्ट शिक्षको के द्वारा माननीय छ.ग. उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिकाएं प्रस्तुत किया गया, जिसमें अधिकांश याचिकाकर्ता शिक्षको को जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति के समक्ष अभ्यावेदन प्रस्तुत करने एवं जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति को प्रस्तुत अभ्यावेदन का एक सप्ताह के भीतर सुनवाई कर निराकरण करने का निर्देश दिया गया। माननीय न्यायालय के आदेशानुसार जिला स्तर पर सुनवाई उपरांत 5 अभ्यावेदन मान्य पाए गये एवं शेष अभ्यावेदनों को समाधानकारक नहीं पाए जाने के जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति के द्वारा पुन अमान्य किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा ने बताया कि राज्य शासन के द्वारा युक्तियुक्तकरण से संबंधित असंतुष्ट शिक्षकों के अभ्यावेदन का निराकरण करने हेतु संभाग एवं राज्य स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति का गठन किया गया।

प्रदेश में अब तक 999.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 999.9 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में बस्तर जिले में सर्वाधिक 1402.4 मि.मी. और बेमेतरा जिले में न्यूनतम 485.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

रायपुर संभाग में रायपुर में 860.6 मि.मी., बलौदाबाजार में 723.7 मि.मी., गरियाबंद में 866.9 मि.मी., महासमुंद में 717.4 मि.मी. और धमतरी में 892.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बिलासपुर संभाग में बिलासपुर में 1032.0 मि.मी., मुंगेली में 1010.9 मि.मी., रायगढ़ में 1212.8 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 829.4 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1181.9 मि.मी., सक्ती में 1083.5 मि.मी., कोरबा में 1019.4 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 953.0 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग में 782.0 मि.मी., कबीरधाम में 727.2 मि.मी., राजनांदगांव में 851.1 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1223.2 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 719.5 मि.मी. और बालोद में 1058.0 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

सरगुजा संभाग में सरगुजा में 709.2 मि.मी., सूरजपुर में 1057.0 मि.मी., बलरामपुर में 1371.6 मि.मी., जशपुर में 971.0 मि.मी., कोरिया में 1110.3 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 999.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

बस्तर संभाग में बस्तर में 1402.4 मि.मी., कोंडागांव में 946.4 मि.मी., कांकेर में 1134.6 मि.मी., नारायणपुर में 1208.2 मि.मी., दंतेवाड़ा में 1375.9 मि.मी., सुकमा में 1087.9 मि.मी. और बीजापुर में 1393.4 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कुपोषण उन्मूलन और आंगनबाडियों के व्यवस्थित संचालन पर दिए कड़े निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बलरामपुर जिले के संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री राजवाड़े ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर बल देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शिता के साथ मिले। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत जरूरतमंद परिवारों को प्राथमिकता से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाल विवाह रोकथाम की दिशा में गंभीर पहल करने पर जोर देते हुए कहा कि किशोरी बालिकाओं को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक बनाया जाए, ताकि राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल हो सके।

बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को लेकर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि केंद्र नियमित समय पर खुलें, बच्चों की उपस्थिति और पोषण आहार की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने केंद्रों की साफ-सफाई, अध्यापन व्यवस्था और पोषण वाटिका व रेडी-टू-ईट वितरण की भी समीक्षा की। कुपोषण उन्मूलन पर विशेष जोर देते हुए मंत्री ने एनआरसी सेंटरों के सुचारू संचालन और कुपोषित बच्चों को नियमित आहार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मंत्री राजवाड़े ने प्रधानमंत्री जनमन अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों की गुणवत्ता सुनिश्चित कर कार्य शीघ्र पूर्ण करने, रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित करने और आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग करने को कहा।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल देते हुए राजवाड़े ने सक्षम योजना की समीक्षा कर महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने की बात कही।

छतरपुर में बागेश्वर धाम में महिला ने गलती से निगली दूसरी दवा

घुटनों के दर्द की मालिश वाली दवा से मुंह और जीभ जली

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर में बागेश्वर धाम की एक महिला श्रद्धालु की लापरवाही से स्थिति गंभीर हो गई। सूरत, गुजरात की रहने वाली 55 वर्षीय गायत्री अग्रवाल ने घुटनों के दर्द की मालिश वाली दवा को गलती से निगल लिया।

घटना रविवार की देर रात की है। गायत्री पिछले एक साल से बागेश्वर धाम में हरि ओम पैलेस में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि घुटनों के दर्द से राहत नहीं मिल रही थी। इसलिए एक देसी वैद्य से दवा ली थी।

दवा तेजाब जैसी थी, जीभ काली पड़ी

मालिश के लिए दी गई दवा को गलती से निगलने के बाद उनका मुंह जलने लगा। दवा तेजाब जैसी थी, जिससे उनकी जीभ काली पड़ गई।

महिला ने तुरंत उल्टी की और बेहोश हो गई।

उन्हें साथी सरिता के साथ टैक्सी से जिला अस्पताल ले जाया गया।

डॉक्टर नीरज सोनी ने उन्हें मेडिकल वार्ड में भर्ती किया है। फिलहाल उनकी स्थिति में सुधार है। गायत्री 12 नवंबर से बागेश्वर धाम में अर्जी लगा रही थीं, लेकिन उन्हें कोई आराम नहीं मिला था।

रेलिंग तोड़ ब्रिज से नीचे गिरा चुकंदर से भरा ट्रक

रतलाम में 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 2 की मौत, 1 गंभीर घायल

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के जावरा से गुजर रहे 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर सोमवार सुबह 5 बजे से 5.30 बजे के बीच लालाखेड़ा अंडर ब्रिज पर एक चुकंदर से भरा ट्रक पलट गया। ट्रक के केबिन का हिस्सा जमीन पर गिरा और पीछा का हिस्सा ब्रिज पर अटक गया।

हादसे में केबिन में ड्रायवर समेत तीन लोग दब गए, जिसमें 2 की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए।

जावरा औद्योगिक थाना प्रभारी विक्रमसिंह चौहान ने बताया कि ट्रक मंदसौर की तरफ जा रहा था। संभवतः ड्रायवर को नींद की झपकी लगने से ट्रक ब्रिज की रेलिंग तोड़ते हुए 45 डिग्री के एंगल पर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को सीधा किया। आशिक निवासी हरियाणा की मौके पर ही मौत हो गई थी। घायल बखान पिता आबिद (18) एवं इरफान (35) पिता हुसैन दोनों निवासी हरियाणा को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। जहां रास्ते में इरफान की मौत हो गई।

प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर

ट्रक में फंसे तीन लोगों को तुरंत बाहर निकाला गया। घायलों को जावरा जिला अस्पताल भेजा गया। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मृतक और घायलों की पहचान की जा रही है।

बेगम नदी में डूबने से किशोर की मौत, सिलवानी के सिमरिया कला में दोस्तों के साथ नहाने गया था

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के सिलवानी डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना तहसील से 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम सिमरिया कला में रविवार शाम की है। जानकारी के अनुसार मृतक 17 वर्षीय अरविंद अहिरवार अपने दोस्तों के साथ बेगम नदी में नहाने गया था।

सभी बच्चे नदी में छलांग लगाकर नहा रहे थे। इसी दौरान अरविंद गहरे पानी में चला गया और डूब गया। परिजनों और ग्रामीणों ने नदी में तलाश कर उसे बाहर निकाला। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। अरविंद तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता रामबगस अहिरवार की मौत पिछले साल करंट लगने से हो गई थी। परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक के शव को परिजन सिलवानी सिविल अस्पताल ले गए। ब्लॉक मेडिकल अधिकारी आरएस पटेल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया था।

डंपर ने कार को 40 फीट घसीटा: भाजपा नेता के भाई की मौत, एक की आंख बाहर निकल गई

खंडवा, एजेंसी। खंडवा जिले की सीमा पर रविवार देर रात हादसा हो गया। रॉन्ग साइड आ रहे बेकाबू डंपर ने टवेरा गाड़ी को रौंद दिया। टवेरा सवार 7 दोस्त चपेट में आ गए। हादसे में खरगोन के भाजपा नेता कृष्णराज सिंह तोमर के भाई की मौत हो गई।

वहीं, 6 युवक घायल हैं, इनमें एक की हालत गंभीर है, जिसे इंदौर रेफर किया गया है। करणी सेना से जुड़े सभी युवक खरगोन के आभापुरी के रहने वाले है। ये लोग खंडवा रैली में शामिल होने आए थे। हादसा रविवार रात 11 बजे पंधाना थाना क्षेत्र के ग्राम खारवां के पास हुआ।

घटना में टवेरा गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। गाड़ी में सवार रविराज सिंह तोमर निवासी आभापुरी की मौत हो गई। वहीं साथी चंद्रपाल सिंह तोमर की हालत गंभीर है, हादसे में उसकी एक आंख बाहर निकल गई। पैर टूट गए हैं। गंभीर हालत में उन्हें इंदौर रेफर किया गया है।

बाकी 5 अन्य साथियों शेलेंद्र सिंह तोमर, गोपाल सिंह, रविंद्र सिंह राजावत, हर्षराज सिंह, राजपाल सिंह तोमर को भी गंभीर चोटें आई है। जिनका इलाज खंडवा और खरगोन में चल रहा है।

रविराज सिंह तोमर
मृतक

टवेरा गाड़ी के परखच्चे तक उड़ गए

रॉन्ग साइड आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टवेरा को टक्कर मारने के बाद करीब 40 फीट तक घसीटा है। टवेरा गाड़ी के परखच्चे तक उड़ गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। रविराज सिंह तोमर की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

घटनास्थल से महज 12 किलोमीटर दूर है गांव

खंडवा में निकली पथ अधिकार यात्रा में करणी सेना के प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर के आने की वजह से कई कार्यकर्ता खरगोन और बुरहानपुर से भी आए हुए थे। खरगोन के आभापुरी गांव से भी 7 दोस्त टवेरा गाड़ी में सवार होकर खंडवा आए थे।

लौटते वक्त जिस खारवां गांव के पास हादसा हुआ, वह खंडवा जिले की सीमा का आखिरी गांव है। वहां से आभापुरी गांव की दूरी महज 12 किलोमीटर है।

एक दोस्त का केक काटकर बर्थडे मनाया

टवेरा सवार युवकों में शैलेंद्र सिंह का रविवार को जन्मदिन था। खंडवा में यात्रा के समापन के बाद दोस्तों ने शैलेंद्र सिंह का जन्मदिन मनाया।

करणी सेना के बड़े पदाधिकारियों की मौजूदगी में सार्वजनिक रूप से केक काटा गया। इसके बाद जीवन सिंह शेरपुर के काफिले के साथ ग्राम कोंडावद तक पहुंचे। वहां से पंधाना होकर आभापुरी के लिए निकल गए। हादसे में शैलेंद्र सिंह को भी चोटें आई हैं।

रविराज के परिवार में पत्नी और दो बच्चे

मृतक रविराज सिंह तोमर के परिवार में पत्नी और दो बच्चे है, बच्चों की उम्र महज 5 साल और 8 साल है। रविराज के बड़े भाई कृष्णराज सिंह तोमर खरगोन भाजपा के नेता हैं। वे कांग्रेस विधायक के प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। हादसे की खबर सुनते ही पूरे गांव में मातम फैल गया।

मंदसौर में प्रेमी युगल ने कीटनाशक पीकर दी जान

शादी के लिए परिजन नहीं थे तैयार, अस्पताल से शव लेकर भागने लगा भाई

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी में प्रेमी युगल ने सोमवार सुबह कीटनाशक पीकर आत्महत्या कर ली।

युवक की पहचान मूंदड़ी निवासी अरुण मेघवाल और युवती की पहचान नीमच जिले के शकरग्राम निवासी पवित्रा चौहान के रूप में हुई है। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

पवित्रा शनिवार सुबह अपने घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी। दोपहर बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह युवक और युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया।

अस्पताल ले जाते वक्त मौत: युवक के परिजन दोनों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।

परिजन शादी के खिलाफ थे: प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती के परिजन उनकी शादी के लिए तैयार नहीं थे। इसी कारण दोनों ने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही युवती के परिजन अस्पताल पहुंचे।

अस्पताल में हंगामा: मृतका के परिजन जिला अस्पताल में हंगामा करने लगे। इस दौरान पवित्रा का भाई उसकी लाश लेकर बाहर की ओर जा रहा था। मौके पर मौजूद कॉन्स्टेबल ने रोका और कुछ देर झूमाझटकी के बाद शव को वापस अस्पताल के अंदर ले जाया गया।

सिंगल वे ओवरब्रिज का विरोध:कांग्रेस ने की दोनों तरफ सर्विस रोड की मांग

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के हाउसिंग बोर्ड इलाके में बन रहा ओवरब्रिज अब विवाद का मुद्दा बन गया है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती ने खुलकर विरोध जताया है। उनका कहना है कि इस ब्रिज की योजना जरुरत के अनुरूप नहीं बनाई जा रही और इससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो सकती है। यह रास्ता रोजाना हजारों लोगों के आने-जाने का मुख्य मार्ग है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, हाउसिंग बोर्ड, कृष्णा नगर और नगर सुधार न्यास की कॉलोनियों के निवासी इसी सर्विस रोड से चलते हैं। पहले से यातायात ज्यादा होने के कारण यहां सुरक्षा पहले ही चिंता का विषय रहा है।

दोनों तरफ रोड की कर रहे मांग: अब जिस तरह से ब्रिज की ड्राइंग में सामने निजी जमीन आने की वजह से केवल एक तरफ सर्विस रोड बनाया जा रहा है, उससे और जाम और दुर्घटना का खतरा पैदा हो जाएगा। कांग्रेस का कहना है कि अगर दोनों ओर सर्विस रोड नहीं होगा तो सभी वाहन एक ही साइड से जाएंगे और भीड़-भाड़ बढ़ेगी। इससे स्कूल-कॉलेज के बच्चों और राहगीरों की सुरक्षा प्रभावित होगी।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि ब्रिज कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने ड्राइंग बनाते समय यह नहीं देखा कि सामने निजी जमीन आ जाएगी। इससे न सिर्फ योजना में खामी हुई है, बल्कि आम लोगों के जीवन और आवागमन पर भी असर पड़ेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों को पहले से जमीन और रास्ते के मसले को स्पष्ट कर लेना चाहिए था।

आंदोलन की दी चेतावनी: राजीव गुजराती और क्षेत्रीय नागरिकों ने मांग की है कि ब्रिज पर दोनों तरफ सर्विस रोड बनकर ही प्रोजेक्ट आगे बढ़े। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि जब तक यह नहीं होता, वे और पार्टी मिलकर धरना-प्रदर्शन व आंदोलन करने को तैयार हैं। इससे पहले भी स्थानीय लोग प्रशासन से कई बार सुरक्षा व सुगमता की मांग कर चुके हैं। स्थानीय लोग और स्कूल-कॉलेज के प्रतिनिधि भी कहते हैं कि काम शुरू होने के पहले ही ट्रैफिक व्यवस्था, पैदल मार्ग और सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि तत्काल प्रभाव से सिइनबोर्ड, ट्रैफिक गार्ड और अस्थायी डायवर्जन लगाए जाएं ताकि निर्माण के दौरान दुर्घटना न हो।

रेलवे यार्ड में पेड़ से लटकी मिला लाश: गार्ड ने स्टेशन मास्टर की दी जानकारी, पुलिस बोली- मर्डर हो सकता है

शहडोल, एजेंसी। शहडोल रेलवे स्टेशन के यार्ड में एक 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिला। ट्रेन के गार्ड ने सबसे पहले शव को देखा और स्टेशन मास्टर को सूचित किया। स्टेशन मास्टर ने तुरंत जीआरपी पुलिस को खबर दी।

जीआरपी थाना प्रभारी आर एम झरिया अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले में एफएसएल टीम को बुलाया गया है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

रेलवे पुलिस का मानना है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रेलवे यार्ड एक सुनसान इलाका है। रात के समय यहां असामाजिक तत्व जमा होते हैं और नशा करते हैं। उनका कहना है कि नशे की हालत में विवाद के बाद युवक की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया हो सकता है। जीआरपी पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि सबसे पहले मृतक की पहचान की जाएगी। पहचान होने के बाद ही आगे की जांच में तेजी आ सकेगी।

पानी के गड्ढे में जहर मिलाकर भेड़-बकरे की हत्या

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम के मोहासा क्षेत्र में रविवार दोपहर एक पानी के गड्ढे में जहरीला पदार्थ मिलाने से 4 भेड़, 2 गौवंश और 1 बकरे की मौत हो गई। फरियादी देवा रब्बारी (कच्छ, भुज, गुजरात) ने मामले की शिकायत की। पुलिस ने रात 8.30 बजे सांगाखेड़ा कला के दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोपी जगदीश केवट को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया, जबकि छोटू केवट की तलाश जारी है। डेरा सोलर पैनल फैक्ट्री के पास है एसआई अशोक बरबड़े ने बताया कि फरियादी का डेरा सोलर पैनल फैक्ट्री के पास है। जगदीश और छोटू केवट ने गड्ढे में जहरीला पदार्थ मिलाया। रविवार को गड्ढे का पानी पीने से चार भेड़ और एक बकरे की तड़पकर मौत हो गई। साथ ही दो गौवंश भी पानी पीने से मारे गए। भेड़-बकरी और गौवंश का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। दोनों आरोपी मवेशी पालन का कार्य भी करते हैं। छोटू केवट की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी हुई है।

जर्जर पुलिया पर हादसा, रेत से भरा डंपर पलटा ड्राइवर बचाया; पुलिया से आवाजाही बंद

शिवपुरी,एजेंसी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। पोहरी अनुविभाग क्षेत्र के बमरा-गुड़ा मार्ग पर स्थित भौरई पुलिया पर रेत से भरा डंपर पलट गया।

डंपर का एक हिस्सा पुलिया में धंस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय ग्रामीण रवींद्र वशिष्ठ और धर्मेंद्र परिहार ने तुरंत मौके पर पहुंचकर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला।

डंपर शिवपुरी से पोहरी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत दौरानी जा रहा था। वहां आवास निर्माण कार्य के लिए रेत ले जाई जा रही थी। हादसे के बाद पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है।

अब इस मार्ग पर केवल दोपहिया वाहनों की आवाजाही जारी है। अन्य सभी वाहनों का आना-जाना बंद हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया पहले से ही जर्जर स्थिति में थी। इसकी मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया गया। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने से आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है।

सीधी- पिता से नाराज बेटा बिजली के टावर पर चढ़ा

सीधी, एजेंसी। सीधी जिले के मड़वास थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह 9 बजे एक युवक ने बिजली टावर पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी दी। विजय कुमार साकेत (23) ने पिता से जमीन का हिस्सा न मिलने पर यह कदम उठाया। मड़वास थाना प्रभारी भूपेश बैस अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पिता रामबदन साकेत ने बताया कि विजय तीन भाइयों में दूसरे नंबर का है। वह नशे का आदी है। पिता को डर था कि अगर उसे जमीन का हिस्सा मिल जाएगा तो वह उसे बेचकर शराब में खर्च कर देगा। इसलिए उन्होंने विजय की शादी के बाद ही जमीन का बंटवारा करने की बात कही थी। पुलिस ने धैर्यपूर्वक युवक को समझाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतारा गया। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद युवक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

फर्नीचर दुकान चोरी का खुलासा, 2 नाबालिग समेत 4 गिरफ्तार

पकड़े जाने के डर से चोरी का सामान नाले किनारे फेंका था

सागर, एजेंसी। सागर जिले की केसली थाना पुलिस ने फर्नीचर दुकान में चोरी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया गया है।

फरियादी महेंद्र तिवारी निवासी जरुआ ने पुलिस को बताया कि उनकी फर्नीचर दुकान 25 अगस्त से बंद थी। 6 सितंबर को दुकान खोली तो अंदर रखा लकड़ी का पलंग, सोफा सेट, आरी, निहानी, बसूला, ड्रिल मशीन, हैंड कटर और मोटर चोरी हो चुकी थी।

छत से घुसकर की थी चोरी: पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 6 सितंबर की रात दुकान की छत से अंदर घुसकर चोरी की थी। दबिश बढ़ने पर चारों ने चोरी का सामान भटुआ सैर नाले किनारे फेंक दिया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया।

ऐसे पकड़े गए आरोपी: जांच में संदेहियों के नाम सामने आने पर केसली पुलिस ने पुतर्रा पुल के पास प्रताप भदौरिया और दो नाबालिगों को पकड़ा। इसी दौरान बाबू उर्फ गौतम गौड़ को पुतर्रा तिराहा से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में चारों ने जुर्म कबूल किया।

आरोपियों को जेल भेजा गया: थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि प्रताप भदौरिया और बाबू उर्फ गौतम गौड़ को कोर्ट में पेश कर उपजेल रहली भेजा गया। वहीं दोनों नाबालिगों को बाल संप्रेक्षण गृह सागर भेज दिया गया है।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल

पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का आइडिया हेड कोच गंभीर का था : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले में कुछ क्षण ऐसे देखने को मिले, जब कप्तान सूर्यकुमार यादव और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने टॉस और फिर मैच खत्म होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। यह आइडिया टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर का था। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले, मैच के दौरान और मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार करने की योजना बनाई थी। इसके साथ ही, गंभीर ने खिलाड़ियों को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह की बहसबाजी से बचने को कहा था।

मैच से पहले खिलाड़ियों को दिए गए गंभीर के संबोधन के एक विशेष विवरण में, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुख्य कोच ने खिलाड़ियों को सोशल मीडिया से दूर रहने और मीडिया में मैच के बारे में चल रही सभी चर्चाओं को नजरअंदाज करने की भी सलाह दी थी। इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद सोशल मीडिया पर इस मैच का बहिष्कार करने की मांगों की बाढ़ आ गई थी।

टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कुछ आलोचकों ने तो खिलाड़ियों को

पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरने के लिए देशद्रोही तक कह दिया। दावा है कि बोर्ड और सरकार की ओर से अनुमति दिए गए मैच में उनकी भागीदारी को लेकर लगातार उठ रहे सवालों से खिलाड़ी बेचैन थे, इसलिए मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले अपनी टीम को ड्रेसिंग रूम में एक उत्साहवर्धक बातचीत के लिए इकट्ठा किया।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गंभीर ने टीम को मैच के दौरान और बाद में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने के लिए कहा था। रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर ने टीम से कहा था, सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं, शोर-शराबा पढ़ना बंद करें। आपका काम भारत के लिए खेलना है। पहलगाम में जो हुआ, उसे मत भूलना। हाथ मत मिलाओ, उलझो मत। बस मैदान पर जाओ, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो और भारत के लिए जीतो। खिलाड़ियों ने गौतम गंभीर के सुझाव का पालन किया और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस से पहले और बाद में पाकिस्तानी टीम के कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया। इस जीत को पहलगाम हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों के योगदान को समर्पित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा और मुख्य कोच माइक हेसन बाद में भारतीय ड्रेसिंग रूम में पहुंचे, लेकिन कोई भी खिलाड़ी उनका अभिवादन करने के लिए आगे नहीं आया।

हार और टीम इंडिया के फैसले से सदमे में पाकिस्तान, पीसीबी ने दर्ज कराई शिकायत

दुबई, एजेंसी। भारत ने एशिया कप 2025 में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट से जीत दर्ज की। मुकाबले के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) तिलमिला गया है। पीसीबी ने इसे खेल भावना के विरुद्ध बताते हुए एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

पीसीबी ने अपने बयान में कहा, टीम मैनेजर नवीद चीमा ने भारतीय खिलाड़ियों के हाथ न मिलाने के व्यवहार पर विरोध दर्ज कराया है। इसे खेल भावना के विरुद्ध माना गया है। इसके विरोध में हमने अपने कप्तान को पोस्ट मैच सेरेमनी में नहीं भेजा।

पाकिस्तान के खिलाफ टॉस के दौरान भी कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से हाथ नहीं मिलाया। हालांकि, पीसीबी ने कहा कि मैच रेफरी ने टॉस से पहले सलमान को इसकी जानकारी दे दी थी।

पीसीबी ने कहा, मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने टॉस के समय सलमान आगा को भारतीय कप्तान से हाथ न मिलाने के लिए कहा था। पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट ने इस व्यवहार को खेल भावना के विरुद्ध बताते हुए विरोध दर्ज कराया है।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। भारतीय नागरिकों की नृशंस हत्याओं में शामिल आतंकवादियों को मारने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ऑपरेशन व्हाइट बॉल में भी भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई है। कप्तान सूर्या ने इस जीत को सशस्त्र बलों को समर्पित किया है।

जीत के बाद सूर्या ने कहा, हमने टीम के साथ मिलकर फैसला लिया। हम सिर्फ खेलने आए थे। हमने पाकिस्तान को जवाब दिया। कुछ चीजें खेल भावना से परे होती हैं। हम यह जीत अपने सशस्त्र बलों को समर्पित करते हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में हिस्सा लिया। हम पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं।

टीम इंडिया के सामने पाकिस्तान सरेंडर, क्यों जरूरी था दुश्मन से मैच

नई दिल्ली, एजेंसी । एशिया कप 2025 के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर न सिर्फ क्रिकेट के मैदान पर अपनी ताकत दिखाई, बल्कि पहलगाम हमले के पीड़ितों और भारतीय सेना को यह जीत समर्पित कर देश की भावनाओं का भी सम्मान किया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में टीम इंडिया ने ऑपरेशन व्हाइट बॉल रणनीति के तहत पाकिस्तानी गेंदबाजों और बल्लेबाजों को धूल चटाई, जिससे पाकिस्तान को इतने गहरे जख्म लगे कि वे सालों तक भूल नहीं पाएंगे।

टीम इंडिया ने अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि चाहे मंच क्रिकेट का ही क्यों न हो, भारत अपने सम्मान और देशवासियों की भावनाओं के साथ कभी समझौता नहीं करेगा। मैच के दौरान कई ऐसे क्षण आए जो इस मुकाबले को सिर्फ एक खेल से कहीं ऊपर ले गए। इसकी शुरुआत टॉस के समय से ही हो चुकी थी, जब कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान से हाथ नहीं मिलाया था।

क्रिकेट के मैदान पर पाकिस्तान को बुरी तरह हराते हुए टीम इंडिया ने अपने दबदबे का परिचय दिया और दिखाया कि जब बात देश के सम्मान की हो, तो टीम पीछे नहीं हटती। मैच के दौरान टीम इंडिया ने यह संदेश भी दिया कि दुश्मनों से कतई हाथ नहीं मिलाया जाएगा, चाहे वह क्रिकेट का मैदान ही क्यों न हो।

टीम इंडिया ने यह जीत पहलगाम में पीड़ितों और सेना के जवानों को समर्पित की, जो इस बात का प्रतीक है कि हर जीत सिर्फ ट्रॉफी के लिए नहीं, बल्कि भारत के वीरों के सम्मान में भी होती है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम

पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। हम अपनी जीत को अपने सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया। आशा है कि वे हमें प्रेरित करते रहेंगे और जब भी हमें मौका मिलेगा, हम उन्हें मुस्कुराने का और भी अवसर देंगे।

उपकप्तान शुभमन गिल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जीत पहलगाम के शहीदों और सशस्त्र बलों को समर्पित। भारत का जज्बा मैदान पर और मैदान से बाहर दोनों जगह जिंदा है। जय हिंद।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि यह पहलगाम के पीड़ितों और सैनिकों के लिए है। हमारी एकजुटता दिखानी जरूरी थी।

उन्होंने बयान दिया, यह शानदार जीत है। अभी भी बहुत क्रिकेट बाकी है। यह मैच इसलिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि हम पहलगाम हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ एकजुटता दिखाना चाहते थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हम भारतीय सेना को उनके सफल ऑपरेशन सिंदूर के लिए भी धन्यवाद देना चाहते हैं। हम अपने देश को गौरवान्वित और खुश करने की कोशिश करेंगे।

भारत में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर सवाल थे। खासकर राजनीतिक पार्टियों ने भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सरकार पर निशाना साधा था। हालांकि, टीम इंडिया ने एशिया कप के इस हाई-वोल्टेज मैच में पाकिस्तान को करारी शिकस्त देकर हर सवाल का जवाब दे दिया है।

पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित है जीत

पाकिस्तान को पटखनी देने के बाद बोले सूर्यकुमार यादव

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहादुरी दिखाने वाले सेना के जवानों को समर्पित किया है। भारतीय कप्तान ने पहलगाम आतंकी हमले में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े होने की प्रतिबद्धता भी जताई।

सूर्यकुमार यादव का जन्मदिन, पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत और उसमें उनकी फिनिशर वाली पारी। भारतीय कप्तान के लिए मैच का दिन बेहद यादगार रहा। मैच के बाद पुरस्कार समारोह के लिए जब वह आए तो संजय मांजरेकर ने हैप्पी बर्थ डे कहते हुए उनका स्वागत किया।

जन्मदिन के लग रहे नारों के बीच भारतीय कप्तान ने कहा, भारत को रिटर्न गिफ्ट देकर अच्छा लग रहा है। हम ऐसी ही जीत की सोच रहे थे। मैं अंत तक रुककर बल्लेबाजी करना चाहता था। हमारे लिए यह मैच सिर्फ एक मैच की तरह ही था। हम सभी विरोधियों के लिए एक जैसी तैयारी करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी हमने इसी मानसिकता से जीता था।

सूर्यकुमार यादव ने कहा, यह सही समय है और मैं बस कुछ कहना चाहता हूं। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं और अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। इस जीत को अपने सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने बहुत बहादुरी दिखाई। आशा है कि वे हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे और हमें जब भी मैदान पर मौका मिलेगा, उन्हें मुस्कुराने की वजह देंगे।

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। कुलदीप ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

मैच की बात करें तो पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान 20 ओवर में 9 विकेट पर 127 रन बना सकी थी। पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने 40 और शाहीन अफरीदी ने नाबाद 33 रन बनाए।

भारत के लिए कुलदीप यादव के अलावा अक्षर पटेल ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए।

महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी: पीसीए ग्रीन ने पीसीए पर्पल को 18 रन से दी मात

महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी- पीसीए ग्रीन ने पीसीए पर्पल को 18 रन से दी मात

मोहाली। महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी में पीसीए ग्रीन ने अंतिम लीग मुकाबले में जीत दर्ज की है। पीसीए पर्पल को 18 रन से हार का सामना करना पड़ा। पीसीए ग्रीन के 201/8 रन के जवाब में पीसीए पर्पल ने 19.1 ओवर में 183/10 रन ही बनाए।

पीसीए मोहाली में खेले गए मैच में पीसीए ग्रीन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए। जशनप्रीत सिंह ने 62 रन टीम के लिए बनाए और नमन धीर ने 68 रन की तेज तर्रार पारी खेली। सलिल ने 41 रन का योगदान दिया। जसन जिंदल ने 2 विकेट झटके। जस इंदर सिंह और सोहराब ने 1-1 बल्लेबाज को चलता किया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी पीसीए पर्पल की टीम ने काफी प्रयास किया, लेकिन वे 19.1 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 183 रन ही बना सके। सोहराब धालीवाल ने 50 रन बनाए। अनमोल मल्होत्रा ने 49 और विश्वनाथ प्रताप ने 40 रन का योगदान दिया। वे टीम की हार नहीं टाल सके। कार्तिक चड्ढा ने 4 विकेट निकाले और जस इंदर सिंह को 2 सफलताएं मिली। कृष भगत, प्रेरित दत्ता, नमन धीर और शहबाज सिंह संधू ने 1-1 विकेट टीम के लिए झटका।

अंडर-19 क्रिकेट: बीकानेर ने कोटा को 9 विकेट से हराया, सेमीफाइनल में बनाई जगह

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा जयपुर में आयोजित अंडर-19 राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बीकानेर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। आज हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बीकानेर ने कोटा को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव रतन सिंह ने बताया कि टॉस जीतकर बीकानेर ने पहले गेंदबाजी का फैसला लिया, जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया। सचिन सैन, रोहित सीगड़ और गुरमान सिंह की घातक गेंदबाजी के सामने कोटा की टीम सिर्फ 79 रनों पर ही ऑल आउट हो गई।

रोहित और सचिन ने 3-3 विकेट लिए, जबकि गुरमान सिंह को 2 सफलताएँ मिलीं। 79 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए, बीकानेर के कप्तान सचिन लखेसर ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 8.5 ओवर में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 51 रन बनाकर अपनी टीम को एकतरफा जीत दिलाई। इस जीत के साथ बीकानेर की टीम सेमीफाइनल में पहुँच गई है, जिसका मुकाबला कल खेला जाएगा। बीकानेर की इस जीत पर जिला क्रिकेट संघ के सभी पदाधिकारियों ने खुशी जताई है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारतीय बेटियों जीत पर सीएम मोहन माझी ने दी बधाई

भुवनेश्वर। वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन किया है। भारत की जैस्मिन लाम्बोरिया और मीनाक्षी हूडा ने स्वर्ण पदक, नूपुर श्योराण ने रजत पदक और पूजा रानी ने कांस्य पदक जीतकर देशवासियों को गर्व का अनुभव कराया है। इसे लेकर ओडिशा के सीएम ने भारतीय महिला खिलाड़ियों को बधाई दी है। इस बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इन सभी महिला खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने महिला एशिया कप 2025 में रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। उनके प्रदर्शन में दृढ़ता, अनुशासन और सच्ची टीम भावना झलकती है। मैं हार्दिक बधाई और भविष्य में और भी अधिक उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली जैस्मिन लाम्बोरिया और मीनाक्षी हूडा, रजत पदक विजेता नूपुर श्योराण तथा कांस्य पदक प्राप्त करने वाली पूजा रानी को दिल से बधाई। इन खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। रिंग में इनकी मेहनत, साहस और उत्कृष्टता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी ने भी विजेताओं को बधाई दी थी और अपने एक्स पोस्ट के जरिए कहा था, लिवरपूल में 2025 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में मीनाक्षी के शानदार प्रदर्शन पर मुझे गर्व है। उन्होंने 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। उनकी सफलता और दृढ़ संकल्प भारतीय एथलीटों के लिए बेहद प्रेरणादायक है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में सेंट्रल जोन ने साउथ को छह विकेट से हराकर खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के बीसीसीआई सीओई ग्राउंड (1) पर खेले गए दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल मुकाबले में सेंट्रल जोन ने साउथ जोन को छह विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। सोमवार को खेले गए मैच के अंतिम दिन सेंट्रल जोन को जीत के लिए 65 रनों की जरूरत थी। टीम ने हालांकि चार विकेट गंवाए, लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही। यह सेंट्रल जोन का 2014-15 के बाद पहला दलीप ट्रॉफी खिताब है, जब पियूष चावला की अगुवाई में टीम ने खिताब जीता था।

सेंट्रल जोन ने पहली पारी में विशाल 511 रन बनाकर मैच में मजबूत पकड़ बनाई। साउथ जोन की टीम पहली पारी में केवल 149 रन पर सिमट गई। बल्लेबाजी अनुकूल पिच पर खराब प्रदर्शन ने साउथ की राह कठिन कर दी। हालांकि, दूसरी पारी में साउथ ने 426 रन बनाए, लेकिन बढ़त हासिल करने में नाकाम रही।साउथ जोन के कोच और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने माना कि बल्लेबाजों को पहली पारी में ज्यादा संयम दिखाने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि कुछ शॉट्स अनावश्यक थे। लेकिन यह एक युवा बल्लेबाजी इकाई है और वे निश्चित रूप से इससे सीखेंगे। मध्यप्रदेश के ऑलराउंडर सारांश जैन को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 16 विकेट लिए और दो अर्धशतकीय पारियां भी खेलीं। सारांश ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद अहम सीरीज रही। यह पूरे घरेलू सत्र की तैयारी में मददगार है और जरूरी है कि मैं इस लय को आगे भी बनाए रखूं।

एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन व्हाइट बॉल, भारत ने मैदान पर दिखाई ताकत, दी पटखनी

दुबई, एजेंसी। एशिया कप 2025 के जिस मैच का इंतजार दुनिया के करोड़ों क्रिकेट प्रेमी कर रहे थे, उसका परिणाम आ चुका है। दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेले गए मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के ऑपरेशन व्हाइट बॉल के सामने पाकिस्तान पस्त नजर आई। पाकिस्तानी टीम ने भारत के सामने पूरी तरह घुटने टेक दिए। पहले गेंदबाजी और फिर बल्लेबाजी में भारतीय टीम ने बताया कि पाकिस्तान उसके सामने कहीं नहीं है।

पाकिस्तान से मिले 128 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत की और शाहीन अफरीदी को पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर अपनी क्लास दिखा दी। शर्मा ने 13 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्के की मदद से 31 रन बनाए। गिल 7 गेंद पर 10, तिलक वर्मा 31 गेंद पर 31 रन बनाकर आउट हुए।

तिलक और सूर्यकुमार यादव के बीच तीसरे विकेट

के लिए 56 रन की अहम साझेदारी हुई। सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी पारी खेली और छक्का लगाकर मैच जितवाया। सूर्या 37 गेंद पर 1 छक्का और 5 चौके की मदद से 47 रन बनाकर नाबाद रहे। शिवम दुबे 10 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 15.5 ओवर में 3 विकेट पर 131 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीता।

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, जिसे भारतीय गेंदबाजों ने पूरी तरह गलत साबित कर दिया। पाकिस्तान पहली गेंद से ही बैकफुट पर दिखी। गेंदबाजी की शुरुआत करने आए हार्दिक पांड्या ने पहली गेंद वाइड फेंकी थी। लेकिन, पहली वैध गेंद पर सईम अयूब जसप्रीत बुमराह को कैच दे बैठे। दूसरी विकेट जसप्रीत बुमराह ने ली। इसके बाद भारतीय स्पिनर्स कहर बनकर टूटे और पाकिस्तानी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई।

कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल की तिकड़ी के सामने पाकिस्तान 20 ओवर में 9 विकेट पर 127 रन बना सकी। अगर नौंवे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए शाहीन अफरीदी ने 16 गेंद पर 4 छक्के लगाते हुए नाबाद 33 रनों की पारी नहीं खेली होती तो, पाकिस्तान 100 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाती। साहिबजादा फरहान ने 44 गेंद पर 40 रन बनाए।

कुलदीप यादव श्रेष्ठ गेंदबाज रहे। 4 ओवर में मात्र 18 रन देकर उन्होंने 3 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 और वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिए। हार्दिक पांड्या सर्वाधिक महंगे रहे। 4 ओवर में 34 रन लुटाकर उन्हें 1 विकेट मिला था।

जनोन्मुखी और जनसुविधा की दृष्टि से सुलभ प्रशासन एक मात्र उद्देश्य एसएन मिश्रा

मध्यप्रदेज्ञ प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग के अध्यक्ष एसएन मिश्रा (पूर्व अपर मुख्य सचिव) ने कहा कि जनोन्मुखी और जनसुविधा की दृष्टि से सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के एक मात्र उद्देश्य को लेकर राज्य शासन ने इस आयोग का गठन किया है। आयोग प्रदेश के विभिन्न जिलों में जाकर प्रथम चरण में प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों से उनके कार्य अनुभव के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव ले रहा है। द्वितीय चरण में आयोग जनप्रतिनिधियों एवं अन्य समस्याओं से भी फीडबैक लेगा। सतना जिले के प्रवास के दौरान सोमवार को मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग ने जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर आयोग के गठन, उद्देश्यों की जानकारी देते हुए महत्वपूर्ण सुझाव भी लिये। इस मौके पर आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला (पूर्व कमिश्नर सागर), आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह (आईएएस), कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, आरएन खरे, एलआर जांगडे, सोमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा सहित सभी विभागो के विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

आयोग के अध्यक्ष एसएन मिश्रा ने कहा कि राज्य की प्रशासनिक इकाईयों, संभाग, जिला, तहसील, जनपद आदि के स्वरूप में भौगोलिक, सामाजिक, जनरेटिव, क्षेत्रफल, जनसंख्या के आधार पर जनोन्मुखी और जनसुविधा की दृष्टि से जो भी परिवर्तन भविष्य में किये जाने है। उनके संबंध में यह आयोग राज्य शासन को अनुसंशायें प्रदान करता है। आयोग मूलरूप से चार पहलुओं पर कार्य करता है। सुलभ प्रशासन के लिए जनोन्मुखी इकाईयों की स्थापना, पदीय संरचनाओं का युक्ति-युक्तकरण प्रशासनिक दक्षता के लिए सुझाव और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रशासन मुख्य उद्देश्य है। प्रथम चरण में आयोग द्वारा प्रशासनिक विभागों, अधिकारियों से सुझाव ले रहे हैं। अगले चरण में जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया जायेगा। सुझाव और फीडबैक प्राप्त करने बेवसाइट और पोर्टल भी तैयार किये गये है। जिन पर प्रस्ताव, प्रति क्रियायें, परिवर्तन संबंधी कोई भी सुझाव दिये जा सकेंगे।

आयोग के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि आयोग को कोई भी प्रस्ताव कलेक्टर के माध्यम से ही भेजे जा सकेंगे। जनोन्मुखी और जनसुविधा की दृष्टि से सुलभ प्रशासन ही आयोग का उद्देश्य है। प्रशासकीय अधिकारी अपने व्यवहारिक कार्य अनुभव के आधार पर सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। सरकार चाहती है कि सेवायें समय पर और समुचित रूप से निर्बाध पहुंचे, यह एक अवसर पर है जब आप व्यवस्था को जनोन्मुखी बनाने आपका योगदान कर सकते हैं। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुर्नगठन आयोग के सदस्य मुकेश शुक्ला ने भौगोलिक, आर्थिक, जनसांख्यिकी, संसाधनों की आवश्यकता, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कारक, सुरक्षा एवं विधि व्यवस्था तथा जनसुविधा की दृष्टि से प्रशासनिक इकाइयों के पुर्नगठन प्रस्ताव संबंधी प्रश्नावनली भाग-1 को भरने संबंधी प्रशिक्षण दिया। आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित जिले की मूलभूत जानकारी पोर्टल पर अपडेट रखे और सम्पूर्ण सेवा काल में जो भी अनुभव रहे हो उनमें दक्षता और जनसुविधा बढाने सुधार के सुझाव आयोग को अवश्य दे। उन्होंने कहा कि तीन माह बाद आयोग की बैठक पुनः आयोजित होगी। बैठक में आयोग द्वारा पावर पाइंट प्रजेन्टेशन भी दिया गया। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर ने भी जिले के संबंध में सुझाव दिये।

महालक्ष्मी पर्व पर अग्रसेन मंदिर में महा आरती संपन्न

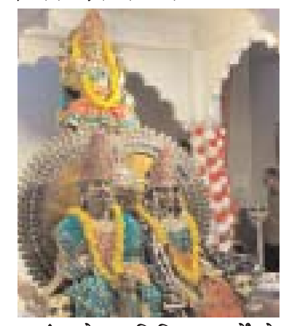

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अग्रवाल नवयुवक मण्डल, सतना की अति महत्वपूर्ण बैठक रविवार 14 सितंबर 2025 को अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जयंती के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। समाज के मीडिया प्रभारी सौरभ अग्रवाल ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों में मंगलवार 16 सितंबर को अग्रसेन चौक सिटी कोतवाली में मंडल की अहम शाखा अग्र अन्नपूर्णा समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

मंडल द्वारा रविवार 21 सितंबर को बूटी भाई परिसर में एक चटपटी शाम के तहत भव्य आनंद मेला, सोमवार 22 सितंबर को प्रातःकाल में प्रभात फेरी, दोपहर में अग्रसेन मंदिर में पूजन, अर्चना एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद शाम 4:00 बजे से भव्य शोभायात्रा अग्रसेन चौक से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए अग्रसेन चौक में महा आरती के साथ समाप्त होगी।

इस वर्ष जयंती शोभायात्रा में 18 घोड़ों पर विराजमान पुत्रों के साथ महाराजा अग्रसेन जी एवं माता माधवी की सजीव झांकी निकाली जाएगी। साथ ही अन्य रथ में माता महालक्ष्मी जी की भी सजीव झांकी रहेगी। बैठक समाप्ति के पश्चात महालक्ष्मी पर्व पर आज अग्रसेन मंदिर में माता महालक्ष्मी जी की पूजा अर्चना कर भव्य महाआरती की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अग्रवाल नवयुवक मंडल के सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं अन्य अग्रबंधु उपस्थित रहे।

बाबूपुर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए गाँजा व 315 बोर का कट्टा, एक पिस्टल व 8 जिंदा कारतूस के साथ 1 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाबूपुर चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक नारायण सिंह बैस और प्रधान आरक्षक सुरेश सिंह ने सहयोगी स्टाफ के साथ मिलकर एक बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी बब्बू उर्फ रामनिवास विश्वकर्मा, निवासी सगमनिया को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से 1 किलो 400 ग्राम गाँजा, 315 बोर का कट्टा, एक पिस्टल और 8 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टेंस) और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी क्षेत्र में बढ़ते अपराधों और नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए की गई है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई से स्थानीय निवासियों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है और पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की जा रही है। पुलिस ने कहा कि वे इस प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखेंगे और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते रहेंगे।

स्वामी उधवदास साहिब के 41 वे वर्सी महोत्सव की धूम, वरसी महोत्सव का समापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतगुरु स्वामी उधवदास साहिब जी का 41वां वर्सी महोत्सव एवं पूज्य सतगुरु स्वामी मोतीराम साहिब जी का यादगार दिवस संत मोतीराम आश्रम में महंत स्वामी खिम्यादास जी के सानिध्य में बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

आश्रम के सेवादारी खेमचंद सुखनानी (पप्पू) ने बताया कि तीन दिवसीय वर्सी महोत्सव के दूसरे दिन परम पूज्यनीय स्वामी मोतीराम साहब जी के यादगार दिवस पर संतों द्वारा पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। संत स्वामी रमेश प्रकाश जी (कटनी), स्वामी तुलसीदास जी (भोपाल), महंत स्वामी ईश्वरदास जी, महंत स्वामी संतोखदास जी, महंत स्वामी पुरुषोत्तमदास जी, कमलदास जी (रीवा) और भाई मुरलीधर जगयासी के सानिध्य में भजन प्रस्तुत किए गए।

भाई राजू लालवानी, गौरव लालवानी (कल्याण) एवं प्रह्लाद भाई साहब जी के द्वारा भक्तिमय भजनों की श्रृंखला प्रस्तुत की गई।

वरसी महोत्सव के समापन अवसर पर 16 सितंबर शुक्रवार को प्रातः 9:00 बजे नितनेम सत्संग, 11:00 बजे श्री श्रीचंद्र सिद्धांत सागर जी का भोग, और 1:00 बजे पल्लव एवं आम भंडारे का आयोजन किया गया है। वर्सी महोत्सव के अवसर पर महंत स्वामी खिम्यादास जी का भक्तों को आशीर्वचन प्राप्त होगा।

प्रदीप ने 58 वर्ष की उम्र में जन्मदिन पर किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अपने बड़े बुजुर्गों और जन्मदिन पर मानव सेवा के लिए शहर के अनेक लोग रक्तदान कर न केवल अपना जन्मदिन मनाते हैं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी खुशियाँ बिखेरने में पीछे नहीं रहते। इन्हीं में से एक हैं वरिष्ठ समाजसेवी एवं रीवा रोड व्यापारी संघ के महामंत्री श्री प्रदीप अरोरा, जिन्होंने 13 सितंबर शनिवार को अपने 58वें जन्मदिन पर 55वां रक्तदान कर अपने साथ दूसरों का दिन भी विशेष बना दिया।

अरोरा पिछले कई वर्षों से निरंतर अपने जन्मदिन पर रक्तदान करते आ रहे हैं और जरूरत पड़ने पर प्लेटलेट्स भी डोनेट करने से नहीं चूकते। उन्होंने कई बार प्लेटलेट्स भी डोनेट किए हैं। सिन्धू विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तदाताओं को प्रेरित करने वाले विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है। अब तक 6697 यूनिट रक्तदान और 45 यूनिट प्लेटलेट्स करवाने का रिकॉर्ड भी कायम किया गया है।

प्रदीप के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी, श्रीचंद मनवानी, मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, ज्ञान खटवानी, श्रीचंद शीतलानी, घनश्याम मंघरानी, संजय वाधवानी, महेश रावलानी, गंगाराम सचदेव, दिलीप सोनी, अमित कामरानी, रंजीत सेनानी, जितेंद्र गावरी, गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, अशोक चांदवानी, बसंत खत्री, दीपक वाधवानी, केशव मखीजा, राजेश कोटवानी, राजकुमार साधवानी, मनीष टेकवानी, पंकज आहूजा, मनीष सदानी, बंटी भोजवानी, मनोज सुखदानी, सहयोगी आकाश बनर्जी, मनमोहन माहेश्वरी, अनामिका सोनी ने वाधवानी जी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

करीब 2 दर्जन से ज्यादा खेरवा के ग्रामीण सांसद सतना गणेश सिंह का काफिला रोक, सुनाया अपना दर्द

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खेरवा के ग्रामीणों ने सांसद सतना गणेश सिंह का काफिला रोककर अपनी समस्याएं सुनाईं। ग्रामीणों ने मांग की कि खेरवा में संचालित क्रेशर प्लांट को बंद करवाया जाए, क्योंकि इससे उनके स्वास्थ्य और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्रेशर प्लांट के कारण धूल और शोर से उनकी जीवनशैली प्रभावित हो रही है। उन्होंने सांसद से अपील की कि वे उनकी समस्याओं का समाधान करें। सांसद गणेश सिंह ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह उनकी मांगों को गंभीरता से लेंगे।

सांसद ने ग्रामीणों से वादा किया कि वह 2 दिन के भीतर इस मामले की जांच शुरू करवाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है और वह इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के सामने उठाएंगे।

किसानों को खाद वितरण में नहीं हो कोई भी असुविधा : रानी बाटड

कलेक्टर मैहर ने किया रामनगर क्षेत्र का भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सोमवार को मैहर जिले के रामनगर विकासखण्ड अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने खाद वितरण केन्द्रों और समितियों में जाकर वितरण व्यवस्था और केन्द्र में छाया, पेयजल आदि सुविधाओं का अवलोकन किया। इस मौके पर एसडीएम एसपी मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर रानी बाटड ने अपने निरीक्षण के दौरान सोहौला ग्राम पंचायत के धरती आबा उत्कर्ष अभियान में विभिन्न योजनाओं सहित जारी आधारकार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं जाति प्रमाण पत्रों की जानकारी ली और समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। आंगनवाडी केन्द्र सोहौला और मिनी आंगनवाडी का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति देखी। आंगनवाडी केन्द्रों में बच्चों की उपस्थिति कम पाये जाने पर आंगनवाडी कार्यक्रर्ता तथा सहायिका को उपस्थिति बढाने के निर्देश दिये। उन्होंने रसोइया नहीं होने के फलस्वरूप पोषण आहार नहीं तैयार करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आंगनवाडी कार्यकर्ता को चेतावनी दी। माध्यमिक शाला सोहौला के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में दो अतिथि शिक्षक और एक प्रभारी शिक्षक उपस्थित पाये गये। कलेक्टर ने बच्चों से प्रश्न पूंछकर शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन किया और शिक्षकों को शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत गैलहरी के चितहा ग्राम पहुंचकर धरती आबा अभियन के कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने आंगनवाडी केन्द्र चितहा का भी निरीक्षण किया। जहां बच्चों को पोषण आहार का वितरण नहीं पाये जाने पर सीईओ जनपद पंचायत रामनगर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। प्राथमिक शाला चितहा के निरीक्षण के दौरान स्व-सहायता समूह द्वारा मध्यान्ह भोजन वितरित नहीं किये जाने पर सीईओ को समूह के विरूद्ध कार्यवाही करने तथा इस शाला में पदस्थ शिक्षक शारदा प्रसाद नामदेव को वर्ष 2022 से तहसील रामनगर में निर्वाचन कार्य में संलग्न पाये जाने पर तत्काल भारमुक्त कर शाला में उपस्थित कराने के निर्देश दिये।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर एक अक्टूबर को होंगे विविध कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस एक अक्टूबर को मध्यप्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। दिवस का प्रमुख उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों की समाज में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और उन्हें समावेशी भविष्य के निर्माण में सशक्त पहचान दिलाना है। कार्यक्रम की थीम समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजन की पहचान को सशक्त बनाना निर्धारित की गई है। जिला स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, संवाद सत्र एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित होंगी। इन आयोजनों का मुख्य फोकस यह रहेगा कि वृद्धजन केवल परिवार और समाज के अनुभव का आधार ही नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

विशेष आकर्षण के रूप में प्रत्येक जिले में 'शतायु सम्मान' का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके वृद्धजनों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। इस पहल से राज्य सरकार का उद्देश्य बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता का संदेश देना है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने सभी जिला कलेक्टर और विभाग के जिला अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

बिरला सीमेंट फैक्ट्री का कचरा प्लांट उगल रहा जहर, जिला प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड फीलगुड में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के अंदर बिरला सीमेंट फैक्ट्री की मनमानी से आम नागरिक हलाकान हैं। कचरा प्लांट से निकलने वाली जानलेवा दुर्गंध वार्ड नंबर 11 के वासियों के लिए एक नियति बन गई है। जानलेवा दुर्गंध की सैकड़ों शिकायतों के बावजूद जिला कलेक्टर और प्रदूषण विभाग गहरी नींद में सो रहे हैं। हर रोज लोग अपनी बदनसीबी पर रो रहे हैं। भूसी प्लांट के नाम पर संचालित कचरा प्लांट में बाहरी राज्यों से ऐसा रासायनिक पदार्थ और वेस्टेज दवाइयां जलाए जाते हैं, जो मानव जीवन के साथ-साथ जानवरों के जीवन के लिए भी खतरनाक हैं।

दुर्भाग्यवश, लाखों लोग बिरला सीमेंट फैक्ट्री की मनमानी से नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। यदि जिला प्रशासन और प्रदूषण विभाग सतना जल्दी ही इस नरक प्लांट को बंद नहीं करता, तो कभी भी वार्ड नंबर 11 के वासियों का गुस्सा भड़क सकता है। इस स्थिति के लिए जिम्मेदार जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारी होंगे। नागरिकों ने प्रशासन से अपील की है कि वे इस समस्या का समाधान करें और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार दें।

सेवा पखवाडे की हर गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करें, समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाडे के दौरान राज्य शासन द्वारा विभिन्न विभागों को निर्दिष्ट की गई गतिविधियों का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग की गतिविधियों की जानकारी पोर्टल पर भी अपलोड करें। सोमवार को समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने सेवा पर्व, सेवा स्वच्छता पखवाडा, कर्मयोगी अभियान, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा की। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, एलआर जांगडे, आरएन खरे, जीतेन्द्र वर्मा, सुमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर बीके मिश्रा सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सेवा पखवाडे के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा प्रत्येक दिवस विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। विभागों के परस्पर समन्वय से कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कराये और सभी कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने कहा कि 17 सितंबर को स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान और राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ होगा। इसी प्रकार ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलेगा। वन विभाग द्वारा इस दौरान सेवा पर्व मनाया जायेगा। इसके तहत 18 सितंबर को चित्रकूट में वृहद कार्यक्रम रखा गया है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान और संस्कृति विभाग द्वारा सेवा पर्व पखवाडा मनाया जायेगा। इस दौरान 21 सितंबर को नगर निगम क्षेत्र में मैराथन का भी आयोजन किया जाये। कलेक्टर ने कहा कि 25 सितंबर को एक घंटा श्रमदान के सूत्र पर सभी नगरीय निकायों में 9 से 12 बजे दोपहर तक सामूहिक स्वच्छता श्रमदान के कार्यक्रम रखे जाये। इसी तरह सभी विभाग 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के साथ ही पखवाडा के समापन पर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

2 प्रकरणों में 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत 2 व्यक्तियों की मृत्यु प्राकृतिक आपदा में होने से उनके परिजनों को 4-4 लाख प्रत्येक के मान से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर द्वारा 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय राजस्व रघुराजनगर से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील रघुराजनगर अंतर्गत निवासी माधवगढ सुबराती खान के पिता की मृत्यु नदी में डूबने तथा निवासी मौहार पुष्पा कुशवाहा की माता की मृत्यु सर्पदंश से होने पर 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।